उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी.....

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः 32 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 07 सितंबर-2026

अंदर के पृष्ठ पर

हाथों में कटोरा लेकर व्यापारियों ने किया उग्र धरना प्रदर्शन 4

पुलिस लाइन में गरजे सीएम, कहा आस्था मिटाने वाले मिट्टी में मिल गए 5

मोती बाग में गिरी चार मंजिला इमारत, तीन की मौत

पीएम मोदी ने जताया दुख; अब तक तीन की मौत , कई लोगों के दबने की आशंका

» बीपीएस न्यूज

नयी दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार दोपहर चार मंजिला इमारत अचानक ढह गई। हादसे के बाद मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलते ही दिल्ली दमकल विभाग की 12 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव अभियान शुरू किया गया।

पुलिस के अनुसार, दिल्ली दमकल विभाग को दोपहर करीब 1¬30 बजे इमारत ढहने की सूचना मिली। इसके बाद दमकल की गाड़ियों के साथ बचाव दलों को घटनास्थल पर भेजा गया। टीमें मलबे को हटाकर अंदर फंसे लोगों की तलाश कर रही हैं।मौके पर पुलिस और दमकलकर्मी मौजूद हैं। घटनास्थल पर बचाव कार्य के लिए जरूरी उपकरणों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अधिकारी लगातार स्थिति का जायजा ले रहे हैं।अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि हादसे के समय इमारत के अंदर कितने लोग मौजूद थे। मलबे में किसी के फंसे होने या घायल होने की स्थिति की भी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बचाव अभियान पूरा होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।दमकल और पुलिस की टीमें मलबे के अलग-अलग हिस्सों की जांच कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि प्राथमिकता मलबे में फंसे किसी भी व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालना है।हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। बचाव दलों ने आसपास के हिस्से को घेरकर अभियान शुरू किया। मलबे को सावधानी से हटाया जा रहा है, ताकि उसके नीचे किसी व्यक्ति के होने की स्थिति में उसे सुरक्षित निकाला जा सके।

अधिकारियों की ओर से फिलहाल हादसे में मृतकों या घायलों की संख्या को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। बचाव अभियान आगे बढ़ने के साथ स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

पीएम मोदी ने जताया गहरा दुख

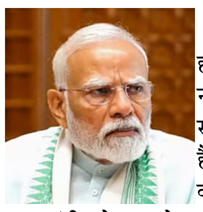

इस दर्दनाक हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। तीन लोगों की मौत की पुष्टि के बाद, प्रधानमंत्री ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर दुख जताते हुए लिखा, दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत के ढहने की घटना बेहद दुखद है। जिन लोगों ने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। अधिकारी घटनास्थल पर मुस्तैदी से काम कर रहे हैं और इस हादसे से प्रभावित लोगों की हर संभव मदद कर रहे हैं। सत्य निकेतन में हुए दर्दनाक इमारत हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। हालात का जायजा लेने के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता खुद घटनास्थल पर पहुंच गई हैं। सीएम वहां मौजूद अधिकारियों से रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी ले रही हैं और हालात की सीधी निगरानी कर रही हैं।

राहुल गांधी बोले- सभी पीड़ितों के साथ हम खड़े

दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत ढहने की खबर बेहद दर्दनाक और चिंताजनक है। कई लोगों के मलबे में दबे होने की खबर है, जिनमें दिल्ली यूनिवर्सिटी के कई छात्र भी शामिल हैं।

मेरी अपील है कि एनडीआरएफ, दिल्ली फायर सर्विस और सभी बचाव दल हर संभव प्रयास करके हर एक छात्र तक पहुँचें, घायलों को तुरंत सर्वोत्तम संभव इलाज मिले, ताकि किसी को भी बचाने में कोई कसर न छोड़ी जाए।

कांग्रेस और एनएसयूआई कार्यकर्ता मौके पर मौजूद हैं और हर संभव मदद के लिए तैयार हैं। इस मुश्किल घड़ी में हम सभी पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ खड़े हैं। छात्रों का जीवन पहले ही संघर्षों से भरा था, अब हालात जानलेवा हैं। कॉलेज या विश्वविद्यालय में अच्छे हॉस्टल न होने के कारण छात्र क्क्ष में एक छत के नीचे 40-40 की संख्या में, अमानवीय परिस्थितियों में रहने को मजबूर हैं। हर छात्र की जान कीमती है और उसकी रक्षा हर हाल में होनी चाहिए।

केजरीवाल ने जताया शोक

मोती बाग हादसे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की प्रतिक्रिया भी सामने आई है।

उन्होंने एक्स पर लिखा, दिल्ली में इमारत गिरने का हादसा अत्यंत दुखद और चिंताजनक है। मेरी भगवान से प्रार्थना है कि मलबे में फंसे लोगों का सकुशल और जल्द रेस्क्यू हो जाए। दिल्ली में सरकार की लापरवाही के कारण अब तक कई हादसे हो चुके हैं। सरकार को नींद से जागना होगा। बड़े स्तर पर एक्शन लेकर नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जरूरत है।

मप्र के सागर जिले में जहरीली शराब से 6 ग्रामीणों की मौत

» बीपीएस न्यूज

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले की बंडा तहसील अंतर्गत आसपास के कुछ गांवों में जहरीली शराब पीने से 6 लोगों की मौत हो गई। रविवार सुबह सभी को बंडा सिविल अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सागर कलेक्टर प्रतिभा पाल, एसपी अनुराग सुजानिया सहित पूरा जिला प्रशासन और पुलिस अमला मौके पर पहुंच गया है। प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल का मुआयना कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं और पीड़ित परिवारों से जानकारी जुटा रहे हैं।

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने लोगों से अपील की है कि पिछले 24 से 48 घंटे में किसी भी तरह की शराब पी है या जहरीली शराब के लक्षण दिखाई दे रहे हैं तो तुरंत स्क्रीनिंग कराएं। उन्होंने कहा कि लोग स्थानीय डॉक्टरों की टीम से संपर्क कर सकते हैं या सीधे सिविल अस्पताल पहुंचकर जांच करा सकते हैं।पुलिस के अनुसार, मृतकों में गोलू उर्फ चमन लोधी (45), निवासी गूगरा खुर्द, दिग्विजय लोधी (28), निवासी नौराज, करतार सिंह लोधी (30), निवासी नौराज, उजियार सिंह लोधी (56), निवासी गूगरा खुर्द, रोशन लोधी (30), निवासी पाटन थाना विनायका और राजेंद्र लोधी (32), निवासी नौराज-गूगरा शामिल हैं।

गोलू उर्फ चमन को पहले से कैंसर की शिकायत होने की जानकारी भी सामने आई है।

हरनाम राय (42), निवासी चौका, उत्तम नत्थू नायक (42), निवासी दलपतपुर, मंगल रजक (40), निवासी गूगरा खुर्द, परम आदिवासी, निवासी हिनौता और धनसिंह आदिवासी (30), निवासी हिनौता को गंभीर हालत में बीएमसी सागर रेफर किया गया है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बंडा में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

स्थानीय सूत्रों और ठेकेदारों के अनुसार, इस हादसे के पीछे आबकारी विभाग की घोर लापरवाही सामने आ रही है। हाल ही में शहर के एक लाइसेंसधारी शराब ठेकेदार ने आबकारी कार्यालय में नकली और अवैध शराब बिकने की शिकायत की थी। इसके अलावा आबकारी विभाग की हालिया बैठक में भी लाइसेंसी ठेकेदारों ने अवैध शराब के कारोबार को लेकर अधिकारियों को जमकर घेरा था। इसके बावजूद विभाग ने समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया, जिसका खामियाजा 6 बेकसूर ग्रामीणों को अपनी जान देकर भुगतना पड़ा, ऐसा आरोप लगाया गया है।

पटना में गंगा का जलस्तर बढ़ने से निचले इलाकों में अलर्ट, 19 लाख लोग प्रभावित

पटना । भारी बारिश के बाद पटना के गांधी घाट पर गंगा का जलस्तर %बाढ़ के सर्वोच्च बिंदु% (एचएफएल) से ऊपर चला गया है, इसलिए अगले एक से तीन दिनों में राज्य की राजधानी में हाथीदह और उसके बाद के रेलवे स्टेशन के प्रभावित होने की आशंका है। राज्य में कई नदियों का जलस्तर बढ़ने से पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार और अररिया सहित 11 जिलों के 330 ग्राम पंचायतों में लगभग 19.57 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। जल संसाधन विभाग (डब्ल्यूआरडी) की ओर से जारी नवीनतम परामर्श के मुताबिक, हथीदह में गंगा का जलस्तर अपने पिछले एचएफएल को पार कर सकता है। इसके मद्देनजर बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर, भागलपुर और कटिहार जिलों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। अधिकारियों और जमीनी स्तर के कर्मचारियों को निर्देश दिया गया है कि वे सतर्क रहें और जरूरत के हिसाब से सावधानी बरतते हुए जल-स्तर, तटबंधों, संवेदनशील जगहों व निचले इलाकों पर नियमित नजर रखें।

अभियंताओं से बाढ़ से निपटने से संबंधित संसाधन और मशीनरी तैयार रखने को कहा गया है। प्रभावित इलाकों के लोगों को सलाह दी गई है कि वे नदी के पास न जाएं और सतर्क रहें। स्थानीय प्रशासन से कहा गया है कि वे नावों के संचालन पर नजर रखें, क्षमता से अधिक लोगों को नावों पर सवार नहीं होने दें और लोगों को हालात के बारे में जानकारी देते रहें।

डब्ल्यूआरडी के मुताबिक, पटना के गांधी घाट पर रविवार सुबह छह बजे गंगा का जलस्तर 50.57 मीटर था, जो 21 अगस्त 2016 को दर्ज किए गए पिछले उच्चतम जलस्तर 50.52 मीटर से 0.05 मीटर अधिक है। पटना जिले के पंडारक में सुबह छह बजे गंगा नदी का जलस्तर 43.92 मीटर था, जो 16 अगस्त 2021 को दर्ज किए गए पिछले उच्चतम जलस्तर 43.73 मीटर से 0.19 मीटर अधिक है।

बरेली में खूनी चाइनीज मांझे के खिलाफ पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन, दो तस्कर और पकड़े

» बीपीएस न्यूज

बरेली । सड़कों पर खून बहाने वाले चाइनीज मांझे के खिलाफ अब पुलिस सख्त हो गई है। पिछले कुछ दिनों में मांझा से कई राहगीर घायल हो चुके हैं। बढ़ती घटनाओं के चलते पुलिस ने चाइनीज मांझा पर प्रतिबंध प्रभावी बनाने के लिए अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में लगातार दूसरे दिन चाइनीज या प्रतिबंधित मांझा बिक्री करने वालों गिरफ्तार किया गया है।बरेली की सड़कों पर खून बहाने वाले चाइनीज मांझा के खिलाफ पुलिस का एक्शन तेज हो गया है। बरेली पुलिस ने लगातार दूसरे दिन प्रतिबंधित मांझा बेचने के आरोपी तस्करों को पकड़ा है। उनके पास से चाइनीज मांझा की 129 चरखी बरामद की हैं। एक दिन पहले ही पुलिस ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। चाइनीज मांझा के खिलाफ जारी अभियान में अब तक 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बरेली पुलिस के मुताबिक, बरादारी थाना क्षेत्र के रहने वाले विक्की और गौरव उत्तराखंड के हरिद्वार से चाइनीज मांझा लेकर बरेली पहुंचे थे। यहां उनके पास से मांझा की 129 चरखी बरामद की हैं। पुलिस ने दोनों को किला थाना क्षेत्र के एक यात्री शेड से गिरफ्तार किया है। मांझा जब्त करके उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस ने प्रतिबंधित मांझा पर प्रभावी रोक के लिए आमजन से सहयोगी की अपील की है।

पुलिस ने आमजन से आह्वान किया है कि चाइनीज मांझा पर रोक लगाने के क्रम में जारी अभियान का हिस्सा बनें। शहर से लेकर देहात तक जहां, कहीं भी चाइनीज मांझा बेचा या उपयोग किया जा रहा है तो पुलिस को इसकी सूचना दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

चाइनीज मांझा बेहद खतरनाक है। इसकी बिक्री या इस्तेमाल पर प्रतिबंध है। शहर में कई बार इसके खिलाफ बड़े अभियान चल चुके हैं। हालांकि कुछ दिनों की सख्ती के बाद फिर से ये मांझा बाजार में पहुंच जाता है। किसी दुर्घटना से पता लगता है कि शहर में चाइनीज मांझा बिक रहा है। बरेली में चाइनीज मांझा के कारण पिछले कुछ दिनों में दर्जनों घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसमें कई राहगीरों का गला, चेहरा कट गया। पिछले कुछ दिनों से मांझा की चपेट में आकर घायलों की संख्या बढ़ चली थी।

गणेश उत्सव से पहले महाराष्ट्र में डीजे पर घमासानः मंत्री बोले- स्वास्थ्य से समझौता नहीं

» बीपीएस न्यूज

जालना। महाराष्ट्र में गणेश उत्सव से पहले डीजे और तेज आवाज वाले साउंड सिस्टम का मुद्दा गरमा गया है। छत्रपति संभाजीनगर में मंत्रियों ने डीजे से दूरी बनाने की अपील की है और नियम तोड़ने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। पुणे में नागरिकों ने मार्च निकालकर डीजे पर पूरी रोक की मांग की। इस बहस के केंद्र में शोर प्रदूषण, स्वास्थ्य और त्योहारों को पारंपरिक तरीके से मनाने का मुद्दा है।

गणेश उत्सव से पहले महाराष्ट्र में डीजे और तेज आवाज वाले साउंड सिस्टम को लेकर बहस तेज हो गई है। छत्रपति संभाजीनगर में स्वास्थ्य राज्यमंत्री मेघना बोर्डिकर और जिला पालकमंत्री संजय शिरसाट ने डीजे के इस्तेमाल का विरोध किया है। दोनों नेताओं ने लोगों से पारंपरिक तरीके से उत्सव मनाने की अपील की। उनका कहना है कि त्योहार खुशी से मनना चाहिए, लेकिन इससे दूसरों को परेशानी या स्वास्थ्य संबंधी खतरा नहीं होना चाहिए।

मेघना बोर्डिकर ने कहा कि पिछले साल उनके एक कजिन की डीजे सिस्टम की वजह से मौत हो गई थी। बोर्डिकर ने कहा कि लोगों से लगातार अपील की जाती है और सुप्रीम कोर्ट ने भी इससे जुड़े दिशा-निर्देश दिए हैं, लेकिन कई लोग उनका पालन नहीं करते। उन्होंने कहा कि डीजे का इस्तेमाल जानलेवा साबित हो सकता है और उन्होंने खुद इस त्रासदी को झेला है।

छत्रपति संभाजीनगर प्रशासन ने क्या चेतावनी दी?

गणेश उत्सव की तैयारियों को लेकर हुई बैठक के बाद संजय शिरसाट ने साफ किया कि शहर में डीजे सिस्टम नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई करेगी। नियम तोड़ने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा और डीजे उपकरण ले जाने वाले वाहनों को जब्त किया जाएगा। शिरसाट ने गणेश मंडलों से अपील की कि वे कार्रवाई से बचने के लिए खुद ही तेज आवाज वाले साउंड सिस्टम का इस्तेमाल न करें। उनका कहना है कि बच्चों और बुजुर्गों को भी आराम से उत्सव में शामिल होने का मौका मिलना चाहिए।

रविवार को पुणे में तेज आवाज वाले डीजे सिस्टम के खिलाफ विरोध मार्च निकाला गया। प्रदर्शनकारियों ने ऐसे सिस्टम पर पूरी तरह रोक लगाने की मांग की। उनका कहना था कि शोर प्रदूषण से सुरक्षा और शांतिपूर्ण माहौल हर नागरिक का अधिकार है। बालगंधर्व रंग मंदिर से शुरू हुआ मार्च पुणे नगर निगम मुख्यालय तक गया। प्रदर्शनकारियों ने सवाल उठाया कि जब सोलापुर और नागपुर जैसे शहरों में डीजे पर रोक की घोषणाएं की गई हैं, तो पुणे में ऐसा क्यों नहीं हो सकता। प्रदर्शन के बाद हुई सभा में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि शनिवार के दही हांडी कार्यक्रम के दौरान पुणे पुलिस तेज आवाज पर नियंत्रण करने में नाकाम रही।

यह मार्च लाउडस्पीकर ऑपोजिशन पुणे सिटीजन्स फोरम ने आयोजित किया था। इसका आयोजन उस घटना के बाद हुआ, जिसमें डीजे पर रोक की मांग कर रहे कार्यकर्ता विद्यानंद बापट पर हमला हुआ था। बापट लंबे समय से त्योहारों में तेज आवाज वाले डीजे के इस्तेमाल के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं। महाराष्ट्र में डीजे और हाई-डेसीबल साउंड सिस्टम के विरोध की मांग अब गणेश उत्सव से पहले ज्यादा मुखर होती दिख रही है।

जेएनयू में यौन उत्पीड़न

प्रोफेसर पर 10 छात्र-छात्राओं ने लगाए आरोप, बोलीं- मीटिंग के बहाने घर पर बुलाते थे

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली स्थित प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) एक बार फिर गंभीर विवादों के घेरे में है। विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर पर कई छात्र-छात्राओं ने यौन उत्पीड़न के बेहद संगीन आरोप लगाए हैं। इस मामले के सामने आने के बाद से ही पूरे कैंपस में हड़कंप मचा हुआ है। फिलहाल, विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, करीब एक महीने पहले आईसीसी को कम से कम 10 छात्र-छात्राओं की ओर से प्रोफेसर के खिलाफ लिखित शिकायतें मिली थीं। इन शिकायतों में प्रोफेसर पर कई चौंकाने वाले आरोप लगाए गए है।

छात्रों का मुख्य आरोप है कि प्रोफेसर उन्हें अक्सर किसी मुलाकात या सभा (मीटिंग) के बहाने कैंपस में ही स्थित अपने सरकारी आवास पर बुलाते थे। आरोप है कि यहां वे छात्रों के साथ यौन दुर्व्यवहार करने की कोशिश करते थे।

कुछ अन्य शिकायतों में यह भी दावा किया गया है कि प्रोफेसर का रवैया कक्षाओं के दौरान भी अमर्यादित रहता था और वे छात्रों पर अश्लील और अनुचित टिप्पणियां करते थे।

शुरुआती 10 शिकायतों के दर्ज होने के बाद, मामले ने और ज्यादा तूल पकड़ लिया है। अब कई अन्य वरिष्ठ (सीनियर) छात्रों ने भी आगे आकर हिम्मत जुटाई है और प्रोफेसर के खिलाफ ठीक इसी तरह के आरोप लगाते हुए अपनी आधिकारिक शिकायतें समिति को दी हैं।

कैंपस में मचे इस भारी बवाल और गंभीर आरोपों के बावजूद, अभी तक किसी भी छात्र की ओर से पुलिस में कोई औपचारिक शिकायत या एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई है। छात्र फिलहाल विश्वविद्यालय की आंतरिक जांच प्रणाली की कार्रवाई पर नजर बनाए हुए हैं।

दूसरी ओर, इस बेहद संवेदनशील और बड़े मामले पर जेएनयू प्रशासन ने चुप्पी साधी हुई है। प्रशासन की ओर से अब तक कोई भी आधिकारिक प्रतिक्रिया या बयान सामने नहीं आया है। अब सभी की निगाहें आईसीसी की जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिसके बाद ही आगे की कार्रवाई तय हो सकेगी।

नेपाल जलप्रलयः 11 दिन बाद भी नहीं मिला मुकुल रॉय की बहू शर्मिष्ठा का सुराग

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। नेपाल में आई बाढ़ के बाद लापता हुई पूर्व रेलमंत्री मुकुल राय की बहू शर्मिष्ठा राय भौमिक का 11 दिन बाद भी कोई सुराग नहीं मिला है। समय बीतने के साथ परिवार की चिंता बढ़ती जा रही है और अब उनके सुरक्षित लौटने की उम्मीद भी धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगी है। कांचरापाड़ा स्थित राय परिवार के घर में हर दिन एक ही सवाल गूंज रहा है - शर्मिष्ठा कब लौटेंगी?

शर्मिष्ठा 21 अगस्त को 32 लोगों के एक दल के साथ नेपाल घूमने गई थीं। वहां पहुंचने के बाद वह लगातार पति, बच्चों और मां से फोन तथा वीडियो कॉल के जरिए संपर्क में थीं। परिवार के मुताबिक, बाढ़ के बाद अचानक उनसे संपर्क टूट गया। इसके बाद से लगातार उनकी तलाश की जा रही है, लेकिन अभी तक कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है।शर्मिष्ठा के 10 वर्षीय बेटे को अब भी मां के लौटने का इंतजार है। वह बार-बार पिता और बड़ी बहन से पूछता है कि मां की कोई खबर मिली या नहीं। 16 वर्षीय बेटी खुद को संभालते हुए छोटे भाई को भी संभाल रही है, लेकिन मां के बारे में पूछे जाने पर वह भी भावुक हो जाती है।मां के लापता होने के बाद दोनों बच्चों की जिम्मेदारी अब शुभ्रांशु राय और शर्मिष्ठा की मां संभाल रही हैं। बेटी के लापता होने की खबर मिलने के बाद शर्मिष्ठा की बुजुर्ग मां भी बेलघरिया स्थित अपना घर छोड़कर कांचरापाड़ा आ गई हैं। परिवार के करीबी लोग भी बच्चों की देखभाल में जुटे हैं।राजनीतिक परिवार का हिस्सा होने के बावजूद शर्मिष्ठा खुद राजनीति की चकाचौंध से दूर रहना पसंद करती थीं। परिवार, बच्चों और अपने कामकाज में ही उनका अधिकांश समय बीतता था। दोनों बच्चों की पढ़ाई, स्कूल और अन्य गतिविधियों की जिम्मेदारी वह खुद संभालती थीं। परिवार के निजी स्कूल, पॉलीक्लिनिक और नेत्र जांच केंद्र से जुड़े कामकाज में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी।

मुकुल के बेटे शुभ्रांशु राय और शर्मिष्ठा की मुलाकात कल्याणी के एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ाई के दौरान हुई थी।

अपनी बात....

संपादकीय ....

सज़ा देने से पहले बच्चों की हो सुरक्षा

जब भी कोई बच्चा किसी अपराध में संलिप्त पाया जाता है तो यह समाज में गंभीर विमर्श होता है कि दंड सजा देने वाला हो या सुधारकारी। निश्चित तौर पर कोई भी बच्चा जन्म से अपराधी नहीं होता। उसकी पारिवारिक माली हालत,परिवार व पड़ोस का माहौल और परिस्थितिजन्य हालात उसे अपराध की अंधी गलियों में धकेल देते हैं। सही मायने में कोई भी बच्चा जब आपराधिक न्याय प्रणाली के दायरे में आता है तो वह वह हमारे समाज की उन तमाम नाकामियों का नतीजा होता है, जिसकी शुरुआत पहले ही हो चुकी होती है। उसका सामाजिक परिवेश और परिवार की आर्थिक मजबूरियां भी उसके कारणों में शामिल होती हैं। इसी आलोक में देश की शीर्ष अदालत की उस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है कि गरीबी, असमानता, अशिक्षा और सामाजिक भेदभाव बच्चों में अपराध की प्रवृत्ति को बढ़ावा दे सकते हैं। दूसरे शब्दों में सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी हमें याद दिलाती है कि अपराध के साथ-साथ उन हालात को भी गंभीरता से लिया जाना चाहिए, जिनमें वह अपराध हुआ है। निस्संदेह, यह सर्वमान्य सत्य नहीं हो सकता कि गरीबी ही हर बच्चे को अपराधी बनाती है। लेकिन किशोरों के अपराध-उन्मुख होने की एक बड़ी वजह आर्थिक विपन्नता जरूर है। दरअसल, परिवार की आर्थिक बदहाली बच्चे को नियमित स्कूल जाने से रोकती है। इसके अलावा परिवार में कलह, परिवार के मुखिया का नशीले पदार्थों का आदी होना, बच्चे की कुसंगति, साथियों का दबाव और सामाजिक भेदभाव जैसी चीजों का सामूहिक प्रभाव ऐसी स्थितियां पैदा कर सकता है, जो कुछ बच्चों को अपराध की अंधी गलियों में धकेल सकता है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि राज्य इन जोखिमों का समाधान सिर्फ तब नहीं कर सकता है जबकि बच्चा पुलिस स्टेशन या जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड यानी किशोर न्याय बोर्ड तक पहुंच जाए। इस स्थिति में बचाव की गुंजाइश कम ही बचती है।

देश की शीर्ष अदालत की यह चिंता कि किशोर न्याय अधिनियम के सुरक्षात्मक प्रावधान सभी जरूरतमंद बच्चों तक नहीं पहुंच पाए हैं, इस कानून को लागू करने में व्याप्त गंभीर कमी को ही उजागर करती है। सही मायने में किशोर न्याय अधिनियम के अंतर्गत कानून बदले की भावना पर नहीं, बल्कि बच्चों की देखभाल,सुरक्षा, पुनर्वास और अच्छा नागरिक बनाकर समाज में फिर से शामिल करने की सोच पर आधारित रहा है। इसके अलावा बच्चे न्यायिक व्यवस्था के ऐसे कुचक्र में फंस सकते हैं, जहां इसके क्रियान्वयन से जुड़े लोग शायद उनकी कम उम्र को गंभीरता से न लें या फिर बच्चों को दी जाने वाली सुरक्षा की संवेदनशीलता को पूरी तरह से न समझ पाएं। सही मायने में इस जटिल समस्या का समाधान किशोर न्याय व्यवस्था को अपराध को न होने देने की सोच पर केंद्रित बनाने से संभव हो सकता है। दरअसल, स्कूल छोड़ने वाले बच्चे, बाल मजदूरी से मुक्त कराये गए बच्चे, नशीले पदार्थों के सेवन से बचाये गए बच्चे जब कल्याणकारी संस्थाओं के संपर्क में बार-बार आते हैं तो उन स्थितियों में प्रशिक्षित सोशल वर्कर, काउंसलर और बाल संरक्षण अधिकारियों को सकारात्मक व सुधारकारी भूमिका निभानी चाहिए। हकीकत में किशोर न्याय बोर्ड को पर्याप्त पेशेवर मदद की जरूरत है। दरअसल, ऐसे बच्चों की संस्थागत देखभाल खत्म होने के बाद भी बच्चों के पुनर्वास के कार्य को निरंतर जारी रखने की जरूरत होनी चाहिए।

हकीकत यह है कि बदलते हालात में यह चुनौती एक नया रूप लेती दिख रही है। जिसकी ओर पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने भी ध्यान दिलाते हुए कहा कि आज के बच्चे बहुत कम उम्र में तकनीक और सोशल मीडिया के जरिये जटिल जानकारी, ग्राफिक कंटेंट और वयस्कों वाले अनुभवों के संपर्क में आ रहे हैं। यहां ज्वलंत प्रश्न यह भी पैदा होता है कि क्या समाज इस सुधार परीक्षा की कसौटी पर खरा उतर सकता है? क्या समाज किसी कमजोर स्थिति वाले बच्चे के अपराध की गली में कदम रखने से पहले ही कोई सकारात्मक हस्तक्षेप कर सकता है? यह समाज के सामने एक गंभीर चुनौती है और समस्या का गंभीर समाधान भी मांगती है।

धर्म के नाम पर न बांटने दिया जाये मनुष्यता को

विपिन सचदेवा

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था, 'मैं चाहता हूं हिंदू और अच्छा हिंदू बने, मुसलमान और अच्छा मुसलमान बने, ईसाई और अच्छा ईसाई बने... यह और अच्छा बनने की प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए हमारे भीतर। यही 'और अच्छा' होना हमें अच्छा...राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था, 'मैं चाहता हूं हिंदू और अच्छा हिंदू बने, मुसलमान और अच्छा मुसलमान बने, ईसाई और अच्छा ईसाई बने... यह और अच्छा बनने की प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए हमारे भीतर। यही 'और अच्छा' होना हमें अच्छा मनुष्य बना सकता है। समझना हमें यह भी होगा कि दुनिया के सब धर्म अंततः हमें अच्छा इंसान बनने का ही संदेश देते हैं।बहुत पुरानी बात नहीं है, जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने भारत में पैदा होने वाले हर व्यक्ति को हिंदू कहकर देश की विविधता में एकता को रेखांकित किया था। अब फिर उन्होंने अमेरिका के न्यूयॉर्क में कहा है कि जो हिंदू यह मानता है कि मुसलमानों को भारत से बाहर कर देना चाहिए, वह हिंदू नहीं रह सकता। भागवत का यह कथन तब और महत्वपूर्ण बन जाता है, जब हम यह देखते हैं कि भारत में उनके अनुयायी बात-बात पर भारत के मुसलमानों को पाकिस्तान भेजने की बात करते हैं, उनके सामाजिक बहिष्कार की बात करते हैं। ऐसे में यह सवाल तो उठता ही है कि उनकी किस बात पर विश्वास किया जाए– हिंदुओं और मुसलमानों के डीएनए के एक होने वाली बात पर या मुसलमानों को पाकिस्तान भेजे जाने वाली बात पर?

विविधता में एकता का संदेश भारत की एक पहचान है। शायद ही दुनिया का कोई और देश होगा, जहां इतने सारे धर्मों को मानने वाले साथ मिलकर रहते हैं। लेकिन हमारी एक सच्चाई यह भी है कि धर्म के नाम पर ही आए दिन मनुष्यता को बांटने की कोशिशें होती हैं। संघ के मुखिया मोहन भागवत के ही कई संगी-साथी आए दिन मुसलमानों को दूसरे दर्जे का नागरिक होने का अहसास कराते दिखते हैं।

यह सही है कि 1947 में देश का विभाजन धर्म के नाम पर ही हुआ था, पर उतना ही बड़ा सच यह भी है कि नए भारत के संविधान-निर्माताओं ने भारत को हिंदू राष्ट नहीं माना था। किसी भी धर्म को मानने वाला क्यों न हो, भारत में रहने वाला हर नागरिक भारतीय माना गया था।

यह भी सही है कि विभाजन के समय करोड़ों लोग भारत से पाकिस्तान और पाकिस्तान से भारत आए-गए थे, पर इस हकीकत से भी आंख नहीं चुराई जा सकती कि तब करोड़ों मुसलमानों ने भारत में रहना ही स्वीकार किया था। अवसर था उनके पास पाकिस्तान जाने का, पर ऐसा न करके उन्होंने इस देश की मिट्टी के प्रति अपने लगाव का ही उदाहरण दिया था। इसलिए, उनकी देशभक्ति पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं बनता। कुछ अरसा पहले आरएसएस के मुखिया मोहन भागवत ने भारत में पैदा होने वाले हर व्यक्ति को हिंदू कहकर एक उदाहरण प्रस्तुत किया था।

आज फिर 'धर्म अलग हो सकते हैं, मगर मानवता एक है, सभी रास्ते ईश्वर तक ले जाने वाले हैं' का संदेश देकर उन्होंने मनुष्यता के धर्म को स्वीकार करने का ही आग्रह किया है।

सवाल इस आग्रह के पीछे की सच्चाई का है। हमारा संविधान देश के हर नागरिक को अपना धर्म मानने, उसके अनुसार आचरण का अधिकार देता है। हर भारतीय को यह अधिकार भी है कि वह अपने विश्वास का प्रचार-प्रसार कर सके। फिर, धर्म के नाम पर किसी के कम या अधिक भारतीय होने का क्या अर्थ रह जाता है? सवाल यह उठता है कि हमारी पहचान हिंदू या मुसलमान के आधार पर होनी चाहिए अथवा भारतीय होने के नाते?

सवाल यह भी उठता है कि आज़ादी के अस्सीवें साल में गर्व से स्वयं को हिंदू या मुसलमान कहने-समझने का क्या अर्थ है? होना तो यह चाहिए था कि समय के साथ भारतीयता की हमारी पहचान और मज़बूत होती, पर हो उल्टा ही रहा है! हम भारत माता की जय का नारा तो लगाते हैं, पर यह भूल जाते हैं कि भारत माता है क्या? देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भारत-माता की एक परिभाषा हमें दी थी। इस देश के सारे नागरिक मिलकर भारत-माता को आकार देते हैं। इस तर्क को यदि हम समझ लेते हैं तो फिर स्वयं को भारतीय प्रमाणित करने के लिए कोई नारा लगाने की ज़रूरत नहीं रह जाती। यही भारतीयता हमारी पहचान होनी चाहिए। इसी भारतीयता पर हमें गर्व करना चाहिए। हमारी विविधता में एकता का यही अर्थ है, यही अर्थ होना चाहिए।जब मोहन भागवत सात समुद्र पार जाकर विविधता में एकता का संदेश देते हैं, उसकी महत्ता समझाते हैं, तो इसका अर्थ सिर्फ यही होना चाहिए कि यह संदेश हर भारतीय के लिए है। सच कहें तो दुनियाभर के लिए है यह संदेश। मैं कैसे अपने आराध्य को पूजता हूं, यह मेरा निजी कर्म है।

इसके आधार पर मेरी कोई पहचान निर्धारित नहीं हो सकती। मेरी वास्तविक पहचान मेरा इंसान होना है– न हिंदू बनेगा, न मुसलमान बनेगा, इंसान की औलाद है, इंसान बनेगा! इस रहस्य की गुत्थी कब खोलेंगे हम? कब समझेंगे इसके मर्म को। राष्टपिता महात्मा गांधी ने कहा था, 'मैं चाहता हूं हिंदू और अच्छा हिंदू बने, मुसलमान और अच्छा मुसलमान बने, ईसाई और अच्छा ईसाई बने... यह और अच्छा बनने की प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए हमारे भीतर।

यही 'और अच्छा' होना हमें अच्छा मनुष्य बना सकता है। समझना हमें यह भी होगा कि दुनिया के सब धर्म अंततः हमें अच्छा इंसान बनने का ही संदेश देते हैं। बिना अच्छा इंसान बने, हम न अच्छा हिंदू हो सकते हैं, न अच्छा मुसलमान। लगभग सवा सौ साल पहले, कहना चाहिए ठीक 133 साल पहले, भारतीय मनीषी स्वामी विवेकानंद ने अमेरिका में 'भाइयो और बहनो' के संबोधन से अच्छा इंसान होने का एक मंत्र दुनिया को दिया था। यह दुनिया के नाम भारत का एक संदेश था। इस संदेश में कहीं ऐसा भाव नहीं था कि भारत दुनिया का गुरु है, संदेश भाईचारे का था। आज भी इसी संदेश को स्वीकारने की आवश्यकता है।

विविधता में एकता वाली संघ के मुखिया की बात कुछ ऐसा ही संदेश देने वाली है।

मोहन भागवत ने यह बात भले ही अमेरिका में जाकर दोहराई हो, पर यह बात हम भारतवासियों के लिए भी है। हैरानी की बात तो यह है कि देश के भीतर हम इस एकता का महत्व समझने से इनकार करते हैं। बात ज़रूर होती है इसकी, पर आचरण में हम इसे याद नहीं रखना चाहते। हमारे राजनेता जब 'अस्सी और बीस' की बात करते हैं, या फिर 'कपड़ों से व्यक्ति को पहचानने' का दावा करते हैं अथवा कब्रिस्तान और श्मशान की दुहाई देते हैं, तो हमारी इस अनेकता में एकता को ही झुठला रहे होते हैं।

बहरहाल, हकीकत यह है कि धर्म को राजनीति का हथियार बनाकर 'हम और वे' का जो खेल खेला जा रहा है, वह खतरनाक है।

देश को बांटने वाली नहीं, जोड़ने वाली राजनीति की आवश्यकता है। बंटने का यह भाव किस सीमा तक जा पहुंचा है, इसका जीता-जागता उदाहरण है यह शिकायत कि 'रघुपति राघव राजा-राम' वाले भजन में गांधीजी ने 'ईश्वर-अल्ला तेरा नाम' क्यों जोड़ दिया? इस तरह के सवाल उठाने वाली मानसिकता राष्ट्रीय हित और मनुष्यता की दृष्टि से बहुत खतरनाक है। इस खतरे को पहचानना और इससे बचने की ईमानदार कोशिश करना ज़रूरी है। पर, दुर्भाग्य से, हो इसका उल्टा रहा है। जाने-अनजाने हम इस खतरे को बढ़ा रहे हैं।

हमारी त्रासदी यह भी है कि हम बंटने वाली राजनीति को समझने की कोशिश भी नहीं करना चाहते। इसलिए संघ के मुखिया के विविधता में एकता वाले उद?गार को ईमानदारी से स्वीकारना होगा।

अघोषित अराजकता की तरफ बढ़ चला देश

राजनीतिक विश्लेषक/ जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

जिस तरह सत्तर दिन बाद राष्ट्रवादी युवक स्वतंत्र भारद्वाज पर एक तरफ़ा कार्यवाही के लिए खास गैंग ने पुलिस पर दबाव बनाया और राजनीति की है उससे यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया कि देश अघोषित अराजकता की तरफ तेजी से बढ़ चला है। आप सोचिये जिस अराजक लड़की का बाप स्वयं कबूल कर रहा कि उसने सवर्ण युवक को पीटा उसका विडिओ बनाया और पुलिस नहीं आती तो और पीटता फिर जब अपने बचाव में युवक ने हाथ चलाया तो ग़लती से उसके हाथ का कड़ा भीड़ में खड़े उस अराजक लड़की के अराजक बाप को लग जाता है वहीं पुलिस कम्प्लेन होती है जाँच में युवक सही पाया जाता है। लेकिन लड़की दलित वर्ग से है और उसे मामले के सत्तर दिन बाद याद आया कि अगर एट्रोसिटी एक्ट किसी जुगाड़ से लगवा दिया जाय तो मुआवजे के 12 ङ्क 13 लाख रुपयों का जुगाड़ बैठे बिठाये हो जायेगा ! फिर वह एजेंडेबाज लड़की अपने बाप को कन्विन्स करती है और विक्टिम कार्ड खेलने का प्लान बनाती है। राहुल गाँधी को वीडियो ट्विट कर नकली आँशु बहा न्याय की नकली गुहार लगाती है जिसके बाद श्रेय लेने का अंधा दौड़ शुरू होता है जिसमें रावन रांका और राहुल एक साथ पप्पू बने थानो की ओर दौड़ पड़ते है एक निर्दोष सवर्ण को फ़साने !

देश अब संविधान से नहीं उग्र धरने , जबरदस्ती और विक्टिम कार्ड से चल रहा। मुझे ऐसा लगता है कि देश एक अघोषित आरजकता की तरफ धकेला जा रहा है और इसके सारे किरदार दलित राजनीति एजेंडे के टूलकिट बने हुये है कोई जिन्ना की भूमिका में है तो कोई तुष्टिकरण के लिये बाबा साहब की भूमिका में है। राष्ट्रवादी दलित नेतृत्व समाप्त हो चुका है। दलितों का नेतृत्व पूरी तरह है जातिवादी और मजहबी लोगो के हाथ मे पहुंच चुका है। पप्पू यादव और रावन जैसे सांसद हिंदूओ में विभाजन की पूरी तैयारी करवा चुके है।

एक तरफ दलितों को उकसाया जा रहा है वह जमकर हिन्दू देवी देवताओं और हिन्दू धर्म का मजाक उड़ा रहे है वहीं पिछडो और सवर्णो को उकसाया जा रहा है। देश में अब सभी जातीय श्रेष्ठता के अहंकार से ग्रसित हो रहे है और बड़े बड़े नेता जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और देश के नेता विपक्ष राहुल गांधी शामिल है वह अपनी पार्टी सहित हर प्रकार से जातीय उन्माद फैलाने का काम कर रहे हैं। हर मुद्दे पर जाति एंगल ढूंढ करके लोगों को लडने के लिए प्रेरित किया जा रहा है दूसरी तरफ मुस्लिम तुष्टीकरण के सामने समर्पण किया जा रहा है चंद्रशेखर रावण और ओवैसी देश में अपनी विभाजनकारी भूमिका का निर्माण कर रहे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के नाम पर देश की व्यवस्था को अव्यवस्थित किये जाने का प्रयास किया जा रहा है। हिंदुओं से उनके धंधे पहले ही छुड़ा लिये गए हैं उनका ब्रेनवॉश इतना किया जा चुका है कि वह अपने धन्धों से दूर हो गए हैं हिंदूओ को अपनी सम्रद्धि सिर्फ नौकरी में दिखाई दे रही है। कौशल का काम अब हिंदुओं के बस का नहीं रहा है। चाहे ऑटो मोबाइल का काम हो चाहे फर्नीचर का काम हो फेब्रिकेशन का काम हो या फिर एसी फ्रिज कूलर का काम हो या फिर ऑनलाइन डिलीवरी करने का काम हो इन सारे कामों पर मजहबी लोगों का कब्जा हो चुका है। सवर्ण हिंदूओ को बताया जा रहा है कि तुम्हारे जीवन स्तर छोटे परिवार रखने से ही सुधरेगा इसलिए कम बच्चे पैदा करो और अपने कामों के लिए दूसरों पर निर्भर रहो। हिन्दुओ का लक्ष्य बड़ी-बड़ी कंपनी में नोकरी करना है और खुद के प्रत्येक काम के लिये मजहबी लोगो पर निर्भर है । स्थिति यहां तक है कई घरों में काम करने वाले खाना बनाने वाले भी मजहबी लोग हैं क्योंकि हिंदुओं की महिलाएं घर का काम छोड़कर अपने बच्चों को नफरती आया कि भरोसे छोड़ करके किसी संस्थान में नौकरी करना ज्यादा पसंद कर रही। दूसरी तरफ वह एक मोहल्ले को एक शहर को या एक गांव को अपना निशाना बनाकर के अपने काम को अंजाम दे रहे हैं। पलायन लवजिहाद धर्मान्तरण पूरी योजना के साथ किया जा रहा है। जरा जरा सी बात पर उनकी संगठित भीड़ पुलिस और सुरक्षा में लगे हुए अधिकारियों को निशाना बना रही है।

गांव ङ्क गांव में बौद्ध मंदिर और मस्जिद बन रही है मौलवी भी आ रहे हैं। योजना के तहत कल तक जिनका पूरा जीवन चक्र हिंदुओं की परंपराओं को करने में बीतता था वह होली दिवाली के त्यौहार मनाते थे आज वह सब भजन के बोल कान में सुनाई देने पर सड़कों पर उत्पात करने को उतारू दिखाई देते हैं। आपके अपने शहर में देख लीजिएगा पिछले 10 साल के मुकाबले देखेंगे तो निले झंडे और टोपी वालों की, ऊंचा पजामा पहनने वालों की और नीला गमछा और बुर्का पहनने वालों की संख्या आपको बढ़ती हुई दिखाई दे जाएगी दूसरी तरफ सवर्ण हिंदुओं के परिवारों में बच्चे भी पैदा नहीं हो रहे। 30-35 साल तक हिंदुओं के विवाह नहीं हो रहे विवाह के बाद भी उनके वैवाहिक संबंध खराब हो रहे हैं परिवार न्यायालय में उनके मामले चल रहे हैं हिंदू जनसंख्या तेजी के साथ घट रही है और मुस्लिम आबादी हिंदुओं की अपेक्षा कई गुना ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। आप महसूस करेंगे तो देखेंगे हर शहर के बाहर प्रवेश के नाके पर एक मजहबी बस्ती आपको मिलेगी क्या यह योजना बद्ध होता आपको महसूस नही हो रहा। लगातार खबरें आती है की एमएनसी या अन्य बड़ी कम्पनियों में काम करने वाले मजहबी लोग भी अपने एजेंडे को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे है । जिसकी जितनी आबादी उसकी उतनी हिस्सेदारी जैसे नारे तक दिये जा रहें। टीसीएस का मामला आप सबके सामने है घरेलू उत्पादन रोजमर्रा की चीजों पर हलाला उत्पादों की बाढ़ आ चुकी है उन्होंने एक समानांतर अर्थव्यवस्था पैदा कर रखी है । दलित हिंदू नेता अपनी जाति के लिए लड़ रहा है और दूसरी जाति को अपमानित कर रहा है। दलित और पिछड़ा हिंदू नेता सिर्फ जातीय गणित से अपना निर्वाचन क्षेत्र ढूंढ रहा है। मुस्लिम नेता किसी भी क्षेत्र से खड़ा हो रहा है उस क्षेत्र में चाहे सिया हो चाहे सुन्नी हो चाहे पसमांदा हो चाहे अहमदिया हो और चाहे बरेलवी या देवबंदी हो सब उनको एकमुश्त वोट देने को तैयार है हैदराबाद का एक नेता ओवैसी उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ने के लिए आता है बिहार में उसके विधायक थे कई प्रदेशों में उसके नेतृत्व में लोग चुनाव लड़ने को तैयार है और हम कभी यूजीसी के नाम पर कभी आरक्षण के नाम पर एक दूसरे को गालियां दे रहे है।उनका जो एंजेडा 2047 का था वह और शायद 2037 तक पूरा हो जाए लेकिन हिंदुओं को कुछ दिखाई नहीं दे रहा है। कब तक हिंदू सरकारों के सहारे अपने पलायन को बचाएगा कब तक सरकारों के सहारे अपनी अस्मिता को बचाएगा शत्रुबोध होगा तभी आप अपने आप को बचा सकते हैं जीव जंतु में भी शत्रुबोध है लेकिन हिंदूओ में नहीं। आज बंगाल में भाजपा की सरकार बन गई तो वहाँ हिंदू अपने आप को सुरक्षित महसूस करने लगा अगर नहीं बनती तो बस अपमान ! असम में जो स्थिति थी वह भी सबके सामने है वहां भी भाजपा की सरकार बन गई इसलिये वहां हिंदू सुरक्षित महसूस कर रहा है । लेकिन वह तुर्की के खलीफा की बात को याद रखते है वह ईरान के साथ भी खड़े होते हैं हमारे यहां पाकिस्तान के साथ दोस्ती करने के लिए लोग आज भी तैयार दिखाई देते हैं लेकिन वह इजराइल के साथ कोई बात नहीं करना चाहते हैं ।

सबसे बड़ा भ्रम दो शब्द—सरकारी पैसा!

एक गरीब पिता का बच्चा बाज़ार में खिलौना देखकर जिद करता है। पिता कीमत पूछता है, जेब टटोलता है, फिर बच्चे का हाथ पकड़कर आगे बढ़ जाता है। बच्चा सोचता है कि शायद पिताजी उसे खिलौना नहीं दिलाना चाहते। लेकिन पिता जानता है कि महीने की तनख्वाह अभी आधी भी नहीं बची और घर में राशन, बिजली का बिल, स्कूल की फीस और दवा के खर्च अभी बाकी हैं। उसी शहर में कोई माँ अपनी बेटी की कोचिंग का सपना टाल रही है, कोई बुजुर्ग डॉक्टर की पूरी पर्ची नहीं खरीद पा रहा, कोई परिवार बरसों से अपने घर की टूटी छत को प्लास्टिक से ढँककर मानसून निकाल रहा है। भारत के करोड़ों घरों में हर दिन इच्छाओं की हत्या होती है ताकि बजट जीवित रह सके। प्रवासीनेटवर्क जुड़ें

वही पिता जब पेट्रोल भरवाता है, टैक्स देता है। वही मजदूर जब मोबाइल रिचार्ज कराता है, टैक्स देता है। वही किसान जब डीज़ल खरीदता है, टैक्स देता है। वही गृहिणी जब साबुन, तेल, कपड़ा, दवा या बच्चों की कॉपी खरीदती है, तब भी टैक्स देती है। भारत में करोड़ों लोग आयकर न देते हों, लेकिन कर-मुक्त जीवन लगभग कोई नहीं जीता। वस्तु एवं सेवा कर, ईंधन कर, शुल्क, उपकर और अनेक अप्रत्यक्ष करों के माध्यम से हर दिन जनता का पैसा सरकारी खजाने तक पहुँचता है। यानी जो परिवार अपने घर का हर रुपया बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है, वही परिवार हर दिन सरकार की तिजोरी भी भर रहा है।हम अपने घर में सौ रुपये के अतिरिक्त खर्च पर बहस कर लेते हैं। बच्चा महंगा खिलौना मांग ले तो उसे समझा देते हैं। घर में पुताई टाल देते हैं। पुरानी बाइक कुछ साल और चलाते हैं। शादी-ब्याह में खर्च काट देते हैं। लेकिन उसी समय लाखों करोड़ रुपये के सार्वजनिक खर्च पर लगभग मौन रहते हैं। जिस देश में एक परिवार पंखा बदलने से पहले दस बार सोचता है, उसी देश में सार्वजनिक धन के उपयोग पर नागरिक बहस कितनी होती है? शायद उतनी नहीं जितनी किसी क्रिकेट मैच, फिल्म या चुनावी नारे पर होती है। पब्लिकफंड्स खोजें

यह शब्द सुनते ही नागरिक और धन के बीच का रिश्ता टूट जाता है। जैसे वह पैसा किसी और का हो। जबकि वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। सरकार का अपना कोई खेत नहीं है जहाँ से फसल उगती हो। उसका कोई निजी कारखाना नहीं है जहाँ से मुनाफा आता हो। सरकार की तिजोरी में रखा लगभग हर रुपया किसी न किसी नागरिक की जेब से आया है। लेकिन जैसे ही वह रुपया सरकारी खजाने में पहुँचता है, जनता उससे अपना भावनात्मक और नैतिक स्वामित्व छोड़ देती है।

भारत का केंद्रीय बजट अब दर्जनों लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुँच चुका है। राज्यों के बजट जोड़ दिए जाएँ तो सार्वजनिक धन का आकार और भी विशाल हो जाता है। यह राशि इतनी बड़ी है कि सामान्य नागरिक उसकी कल्पना भी नहीं कर सकता। लेकिन समस्या राशि की विशालता नहीं है। समस्या यह है कि जिन लोगों की मेहनत से यह धन एकत्र होता है, वे ही अक्सर उसके उपयोग पर सबसे कम निगरानी रखते हैं।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मोहम्मद मोईन अंसारी पुत्र सलाउद्दीन अंसारी निवासी 573/50 महीपत नगर हरिजन बस्ती कैण्ट कानपुर नगर घोषणा करता हूं कि मो.मोईन अंसारी (Md Moeen Ansari) व मोहम्मद मोईन अंसारी (Mohammad Moin Nasari) दोनों मेरे ही नाम है और एक ही व्यक्ति के हैं किसी अन्य के नहीं है।

शपथकर्ता
मोहम्मद मोईन अंसारी

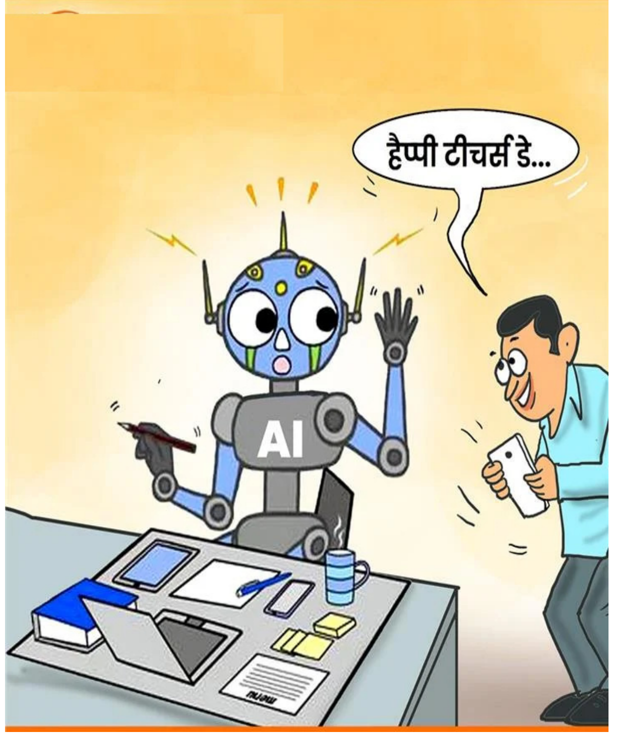

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -ःमो.ः 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

गोपालपुरम-जरौली फेज-2 में राहत एवं बचाव कार्य शुरू, पुल के ऊपर से बह रहा पांडु नदी का पानी

जलभराव में फंसे 25 परिवारों के बचाव में उतरी एनडीआरएफ, भौती-पनका पुल बंद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पांडु नदी का पानी बढ़ने से गुरुवार को गोपालपुरम और जरौली फेज-2 के निचले इलाकों में जलभराव हो गया। करीब 25 परिवारों के पानी के बीच फंसे होने की सूचना पर एनडीआरएफ को बुलाया गया। टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। प्रशासन की टीमें भी प्रभावित इलाकों में मौजूद हैं।

इससे पहले बुधवार देर रात संयुक्त मजिस्ट्रेट/एसडीएम सदर अनुभव सिंह और तहसीलदार सदर विनय द्विवेदी ने पांडु नदी के जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया था। दोनों अधिकारियों ने प्रभावित परिवारों और स्थानीय लोगों से बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली। प्रभावितों के लिए राहत किट की व्यवस्था भी कराई गई है।

गुरुवार को ग्राम पनका बहादुर नगर में भौती-पनका संपर्क मार्ग के पुल के ऊपर से पांडु नदी का पानी बहने लगा। प्रशासन ने सुरक्षा को देखते हुए पुल पर बैरिकेडिंग कराकर आवागमन पूरी तरह बंद करा दिया। स्थानीय पुलिस को मौके पर सतर्क रहने और पुल से आवागमन प्रतिबंधित रखने के निर्देश दिए गए हैं।

उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग के सदस्य रमेश चंद्र कुंडे ने भी मायापुरम और रविदासपुरम के जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावित लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं। साथ ही जलभराव वाले इलाकों में रह रहे लोगों को सुरक्षा के दृष्टिगत निकट स्थित बाढ़ आश्रय स्थल श्री विशम्भर नाथ ठाकुर इंटर कॉलेज में पहुंचने के लिए प्रेरित किया।

खाद्य विभाग टीम को समोसा फैक्ट्री में मिला डेढ़ क्विंटल सड़ा आलू, कराया नष्ट

» रेलवे की कैंटीनों-दुकानों में होती थी सप्लाई, 3200 कच्चे समोसे भी नष्ट; एक इकाई सील

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। रेलवे की कैंटीनों और दुकानों में सप्लाई होने वाले समोसों की निर्माण इकाइयों में खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में गंभीर खामियां सामने आई हैं। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर गुरुवार को रेल बाजार की तीन समोसा निर्माण इकाइयों पर छापा मारा गया। एक इकाई में डेढ़ क्विंटल सड़ा आलू मिला, जबकि तीनों इकाइयों से कुल 3200 बिना तले समोसे और 25 किलो आलू मसाला भी नष्ट कराया गया। एक इकाई को सील करने के साथ ही 48 बोरियों में रखा 2384 किलो मैदा सीज किया गया।

सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वद्व संजय प्रताप सिंह ने बताया कि क्षेत्रीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी से मिली सूचना के आधार पर मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेंद्र कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत रेल बाजार स्थित समोसा निर्माण इकाइयों की जांच की।

टीम ने निर्मल कुमार मिश्र की समोसा निर्माण इकाई में छापा मारा तो परिसर में डेढ़ क्विंटल सड़ा आलू और 400 बिना तले समोसे मिले। इन्हें मौके पर ही नष्ट कराया गया। यहां से मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर और तैयार समोसे के कुल तीन नमूने भी जांच के लिए लिए गए।

इसके बाद बन्टू यादव की समोसा निर्माण इकाई की जांच की गई। यहां नौकर और मजदूर खाद्य पदार्थ तैयार करते मिले। परिसर में 800 बिना तले समोसे और पांच किलो आलू मसाला अस्वच्छ परिस्थितियों में रखा पाया गया। टीम ने इसे नष्ट करा दिया। संचालक बन्टू यादव को बार-बार बुलाने के बावजूद वह मौके पर नहीं पहुंचे और खाद्य लाइसेंस भी प्रस्तुत नहीं किया गया। इस पर टीम ने निर्माण इकाई को सील कर दिया।

रेल बाजार के हाता नंबर-दो स्थित मोहम्मद शोएब की समोसा निर्माण इकाई में टीम को 2000 बिना तले समोसे और 20 किलो तैयार आलू मसाला अस्वच्छ परिस्थितियों में रखा मिला। इसे भी मौके पर नष्ट कराया गया। यहां से मैदा, रिफाइंड पामोलिन ऑयल और समोसा मसाला आलू के तीन नमूने लिए गए। इसके अलावा परिसर में 48 बोरियों में भंडारित 2384 किलो मैदा सीज किया गया।

संजय प्रताप सिंह ने बताया कि तीनों इकाइयों में तैयार होने वाले समोसे रेलवे की कैंटीनों और दुकानों में सप्लाई किए जाते हैं। कार्रवाई के दौरान खाद्य पदार्थों के कुल छह नमूने लिए गए हैं। नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

15 वर्षों से फरार चल रहे 2 वांछित अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि थाना बर्रा पुलिस टीम द्वारा तकनीकी संसाधनों एवं इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की मदद से 15 वर्ष से फरार दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त संजय अग्रवाल उर्फ संजीव राज गोयल, निवासी उज्जैन, मध्य प्रदेश पर 50,000 रुपये का इनाम घोषित था। अभियुक्त राहुल अग्रवाल, निवासी उज्जैन, मध्य प्रदेश पर 25,000 रुपये का इनाम घोषित था। दोनों अभियुक्तों को नानाखेड़ा बस स्टैण्ड, उज्जैन (मध्य प्रदेश) से गिरफ्तार किया गया।

अभियुक्तगण फर्जी फर्म/एजेंसी बनाकर फर्जी आरसी एवं दस्तावेजों के आधार पर लोगों को बैंक से लोन दिलाते थे तथा लोन की धनराशि को हड़प लेते थे। अभियुक्त संजय अग्रवाल के विरुद्ध 24 मुकदमे तथा राहुल अग्रवाल के विरुद्ध 16 मुकदमे पंजीकृत होना पाया गया है।
गिरफ्तार

अभियुक्तगण के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए मा0 न्यायालय भेजा जा रहा है।बैलास्ट-लेस ट्रैक ये सारी सुविधाएं प्रदान करता है, साथ ही इसका जीवन-चक्र भी काफी लंबा होता है।

कानपुर चिड़ियाघर में फिर दौड़ सकती है टाय ट्रेन

» एक हादसे के दौरान महिला की मौत के बाद से बंद थी ट्रेन

» लंबे समय के अंतराल के कारण ट्रेन का इंजन हुआ क्षतिग्रस्त, पटरियों पर भी लगा जंग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर के कुछ आकर्षणों में चिडियाघर का अलग ही स्थान है। घूमने, छुट्टियां बिताने के लिए यह एक अच्छी जगह है और यहां बडी संख्या में लोग आते भी है। पूर्व में लागों को चिडियाघर का भ्रमण कराने के लिए यहां टाय ट्रेन का संचालन शुरू किया गया था, लेकिन एक हादसे में एक महिला की मौत होने के बाद यह टाय ट्रेन बंद कर दी गयी और चार वर्ष बीतने के बाद भी टाय ट्रेन पुनः शुरू नही हुई, लेकन एक बार फिर चिडियाघर प्रशासन ने ट्रेन चलाने की कवायद शुरू कर दी है और एसा माना जा रहा है कि जल्द ही चिडिया घर एक बार फिर इंजन की आवाज से गूंज उठेगा।

बताते चले की कानपुर के चिडियाघर में टाय ट्रेन की शुरूआत की गयी थी, जिसके बाद यहां आने वाले दर्शक भी प्रसन्न थे और सभी को यह सुविधा अच्छी लगी थी, लेकिन एक हादसे में एक महिला की 2022 में मौत होने के बाद इस टाय ट्रेन को बंद कर दिया गया था। लंबे समय से ट्रेन न चलने के कारण इसके इंजन में जहां कुछ खराबी आ गयी है तो वहीं जू में बिछी पटरियों को भी जंग लग गया है, जिन्हे सुधारने की आवश्यकता है।

इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए चिडियाघर के निदेशक डा0 कन्हैया पटेल ने बताया कि जू में आने वाले दर्शकों के लिए एक बार फिर टाय ट्रेन चलाने का प्रयास किया जा रहा है। इस ट्रेन को सीएसआर फंड से चलाया जायेगा और जिसके लिए इंडिया थर्मिट कार्पोरेशन के अधिकारियों से भी संपर्क किया गया है। वहीं इस फंड से ट्रेन चलाने में आने वाली समस्याओं को दूर किया जायेगा।

वेस्टकॉट बिल्डिंग के ऊपरी हिस्से में लगी आग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गुरुवार सुबह 05:18 बजे मिनी कन्ट्रोल द्वारा आर0टी0 सेट के माध्यम से सूचना दी गयी मॉल रोड रिजर्व बैंक के सामने एल0आई0सी0 बिल्डिंग (वेस्टकॉट बिल्डिंग) में आग लगी है। बिल्डिंग के ऊपरी तल पर रिहाइश भी है, इसकी संवेदनशीलता के दृष्टिगत मुख्य अग्निशमन अधिकारी कानपुर नगर के निर्देश पर तत्काल फायर स्टेशन लाटूश रोड से यूनिटें घटना स्थल हेतु प्रस्थान हुई एवं वहां पहुंचकर देखा गया कि, 37/12 वेस्ट कॉट बिल्डिंग के द्वितीय तल पर स्थित एल0आई0सी0 बिल्डिंग में आग लगी थी।

सहायतार्थ अन्य यूनिटों की मांग की गयी जिसमें फायर स्टेशन कर्नलगंज से 02 मोटर फायर इंजन व प्रभारी अधिकारी लाटूश रोड / कर्नलगंज प्रदीप कुमार शर्मा भी घटना स्थल पर उपस्थित हुए। समस्त यूनिटों द्वारा तत्काल ही अग्निशमन कार्य आरम्भ किया गया। कुछ समय तक लगातार पम्पिंग कर जल रही आग को पूर्ण रुप से बुझा कर शान्त कर दिया गया। अग्निकाण्ड के कारण एल0आई0सी0 ऑफिस में रखे फर्नीचर आदि की जल कर क्षति हुई।

फायर स्टेशन लाटूश रोड से 01 यूनिट द्वारा घटना स्थल पर पहुंच कर जल रही आग को पूर्ण रुप से बुझा कर शान्त कर दिया गया। इस घटना में कोई इंजरी अथवा जनहानि नहीं हुई।।

महिला की गोली मारकर हत्या करने वाले दो आरोपी भाई गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कैंट थाना क्षेत्र स्थित सत्ती चौरा में रविवार शाम एक सनसनीखेज वारदात में 28 वर्षीय महिला चांदनी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी संतोष और विनोद दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर लिया।

बहन सरोजनी की शादी उन्नाव के कल्लूपुरवा निवासी संतोष से हुई थी. संतोष शराब पीकर मारपीट करता था, जिसके चलते सरोजनी ने दो साल पहले उसके खिलाफ दहेज और तलाक का मामला दर्ज कराया था और कैंट स्थित अपने मायके में रह रही थी। इसी रंजिश को लेकर दोनों परिवारों में विवाद चल रहा था।

रविवार शाम संतोष का भाई विनोद अपने एक साथी के साथ बाइक से जबरन चांदनी के घर में घुसा और

विनोद ने तमंचा निकालकर चांदनी को गोली मार दी। गोली लगते ही चांदनी की मौके पर ही मौत हो गई और आरोपी बाइक से फरार हो गए।

पुलिस ने सोमवार सुबह कार्रवाई करते हुए आरोपी संतोष और विनोद दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में विनोद ने बताया कि उसे खबर मिली थी कि उसके भाई संतोष के साथ ससुराल वालों ने मारपीट की है, जिसका बदला लेने के लिए वह वहां पहुंचा था। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है और घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

आरक्षण के खिलाफ नहीं, आरक्षण सुधार के साथ हैं: योगेन्द्र अग्निहोत्री

मशाल मार्च को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम पर पूर्व विधानसभा प्रत्याशी ने जताई नाराजगी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी एवं अधिवक्ता योगेन्द्र अग्निहोत्री ने कहा कि कानपुर में निकाला गया आक्रोश मशाल मार्च आरक्षण के विरोध में नहीं, बल्कि त्वष्ट के नए प्रावधानों को रोल बैक करने तथा आरक्षण व्यवस्था में न्यायसंगत सुधार और समीक्षा की मांग को लेकर आयोजित किया गया था।उन्होंने कहा कि कुछ लोग राजनीतिक स्वार्थों के कारण समाज के कम पढ़े-लिखे लोगों को गुमराह कर रहे हैं और इस मार्च को आरक्षण विरोधी आंदोलन के रूप में प्रचारित कर रहे हैं। यह पूरी तरह भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण प्रचार है। समाचार रिपोर्टों में भी मार्च का उद्देश्य प्रावधानों की वापसी और आरक्षण व्यवस्था में सुधार बताया गया है।एडवोकेट योगेन्द्र अग्निहोत्री ने स्पष्ट किया कि आरक्षण में सुधार की मांग का अर्थ आरक्षण का विरोध करना नहीं है। उन्होंने कहा कि व्यवस्था की समीक्षा इसलिए आवश्यक है, ताकि दलित, पिछड़े और वास्तविक रूप से वंचित वर्गों को आरक्षण का लाभ सही रूप में मिल सके तथा इसका लाभ बार-बार कुछ ही परिवारों तक सीमित न रहे।उन्होंने कहा, ÷हम आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि आरक्षण के साथ हैं। हम देश के दलित, पिछड़े और वंचित वर्गों के अधिकारों के साथ खड़े हैं। हमारा उद्देश्य किसी जाति या समाज का विरोध करना नहीं, बल्कि व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, न्यायपूर्ण और प्रभावी बनाना है।÷पूर्व विधानसभा प्रत्याशी ने समाज के लोगों से अपील की कि वे किसी भी राजनीतिक भ्रम या अफवाह का शिकार न हों और किसी आंदोलन के संबंध में राय बनाने से पहले उसके वास्तविक उद्देश्य और मांगों को समझें। उन्होंने कहा कि कानपुर का मशाल मार्च त्वष्ट रोल बैक, आरक्षण सुधार और समान अवसर की लोकतांत्रिक मांग को लेकर था, न कि आरक्षण समाप्त करने के लिए।

सीएमओ का घेराव कर अनिश्चितकालीन धरने की दी चेतावनी

» वेतन न मिलने से नाराज सीएचओ कर्मचारियों ने किया सीएमओ कार्यालय पर हंगामा

» महिला कर्मचारी अपने 10 महीने के बच्चे को गोद में लेकर धरने में हुई शामिल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। दूसरे जिलों में मिला वेतन, कानपुर के साथ भेदभाव का आरोप लगाते हुए रामादेवी स्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में गुरुवार दोपहर 1 बजे जिले के 10 ब्लॉकों से आए 70 से अधिक कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर कर्मचारी वेतन भुगतान की मांग को लेकर पहुंच गए और कार्यालय के बाहर हंगामा शुरू कर दिया। कर्मचारियों ने सीएमओ कार्यालय का घेराव कर जोरदार नारेबाजी और धरने की चेतावनी दी।कर्मचारियों का कहना है कि जब तक वेतन नहीं मिलेगा, अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान एक महिला कर्मचारी अपने 10 महीने के बच्चे को गोद में लेकर धरने में शामिल हुई। सीएचओ ने कहा कि दूसरे जिलों में मिला वेतन, कानपुर के साथ भेदभाव किया जा रहा है। बताया गया प्रदेश के अन्य 74 जिलों में सीएचओ कर्मचारियों का वेतन जारी किया जा चुका है, लेकिन कानपुर के 10 ब्लॉकों में तैनात कर्मचारियों को अभी तक भुगतान नहीं मिला है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पूरे राज्य में मानदेय मिल चुका है, तो कानपुर का वेतन क्यों रोका गया है।

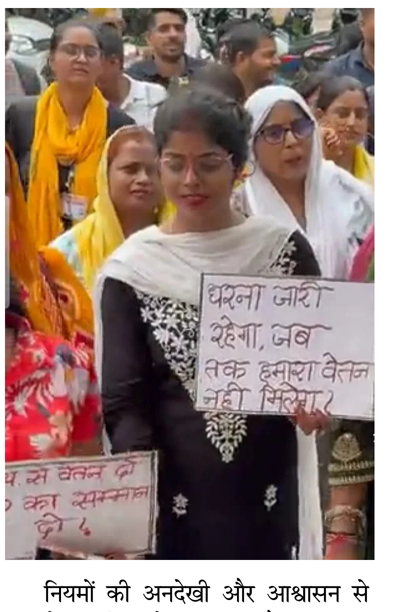

नियमों की अनदेखी और आश्वासन से असंतोष कर्मचारियों का कहना है कि शासन के दिशानिर्देशों के अनुसार हर महीने की 5 तारीख तक वेतन मिल जाना चाहिए, परंतु कानपुर में अमूमन 20 तारीख तक का इंतजार करना पड़ता है। सीएमओ से वार्ता के दौरान जब कर्मचारियों ने इस मुद्दे को उठाया, तो उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। वहीं सीएमओ ने कहा कि शासन से संबंधित पत्र आने के बाद ही भुगतान किया जाएगा।कर्मचारियों ने कहा कि उनके सामने भारी आर्थिक संकट खड़ा हो गया है, बच्चों की स्कूल फीस जमा नहीं हो पा रही है और मकान का किराया न दे पाने के कारण मकान मालिक घर खाली करने की धमकी दे रहे हैं। रोजमर्रा की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना भी मुश्किल हो चुका है। कर्मचारियों ने शासन, प्रशासन और सीएमओ से तुरंत वेतन जारी करने की मांग की है और साफ कर दिया है कि जब तक उनके खातों में राशि नहीं आ जाती, धरना खत्म नहीं होगा।

कानपुर बनेगा देश का बड़ा रक्षा निर्माण केंद्र, निवेश से रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश को रक्षा उत्पादन का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) के अगले चरण की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में बुधवार को ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) और प्रदेश सरकार की साझेदारी में कानपुर रीजनल डिफेंस वर्कशॉप आयोजित की गई। इसमें रक्षा उत्पादन के साथ कौशल विकास, अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और एमएसएमई को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा हुई।

कार्यशाला में वक्ताओं ने कहा कि रक्षा कॉरिडोर का लक्ष्य सिर्फ बड़े उद्योग और उत्पादन इकाइयां स्थापित करना नहीं है। इसके लिए स्थानीय उद्योगों, शोध संस्थानों, कुशल मानव संसाधन और एमएसएमई को एक साथ जोड़कर मजबूत रक्षा आपूर्ति श्रृंखला तैयार करनी होगी।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन कानपुर में रक्षा कॉरिडोर को धरातल पर उतारने के लिए लगातार कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि %पूर्व का मैनचेस्टर% कानपुर देश के बड़े रक्षा निर्माण केंद्र के रूप में विकसित होने की क्षमता रखता है। ओआरएफ के उपाध्यक्ष प्रोफेसर हर्ष पंत ने कहा कि भारत सरकार रक्षा उपकरणों के आयात पर निर्भरता घटाकर देश में ही उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रही है। ऐसे में उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। उन्होंने बताया कि ओआरएफ की %स्ट्रैटेजिक उत्तर प्रदेश% पहल के जरिए रक्षा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न पक्षों को एक मंच पर लाने और यूपीडीआईसी में निवेश बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि यूपीडीआईसी उत्तर प्रदेश को हथियारों और रक्षा उपकरणों के निर्माण का बड़ा केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि सरकार ने आईआईटी कानपुर और बीएचयू जैसे प्रमुख संस्थानों के साथ सहयोग किया है, ताकि कॉरिडोर में विज्ञान, अनुसंधान और नई तकनीक का अधिकतम इस्तेमाल हो सके। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में सरकार, उद्योग, रक्षा उत्पादक, शोध संस्थान, नीति निर्माता और एमएसएमई के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है।

डेटम एडवांस्ड कंपोजिट्स के तन्मय तिवारी ने कहा कि कानपुर में रक्षा उत्पादन से जुड़े बुनियादी ढांचे के विकास के साथ युवाओं के प्रशिक्षण और कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना होगा। आईआईटी कानपुर और बीएचयू में हो रहे शोध का लाभ आईटीआई और स्थानीय तकनीकी संस्थानों तक पहुंचाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उद्योगों के सहयोग से प्रशिक्षण और इंटर्नशिप के अवसर बढ़ने से युवाओं को रोजगार मिलेगा और रक्षा क्षेत्र के लिए स्थानीय स्तर पर कुशल मानव संसाधन तैयार होगा।

हाथों में कटोरा लेकर व्यापारियों ने किया उग्र धरना प्रदर्शन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र, जिलाध्यक्ष विजय गुप्ता गोरे, जिला वरिष्ठ महामंत्री मनीष गुप्ता सलोने व प्रदेश मंत्री रोशन गुप्ता के नेतृत्व में विभिन्न बाजारों से आए संगठन के पदाधिकारियों व व्यापारियों ने कानपुर महानगर के मार्बल मार्केट किदवई नगर, यशोदा नगर से हमीरपुर रोड, ग्रीन पार्क से घंटाघर, साकेत नगर सहित विभिन्न क्षेत्रों में सीएम ग्रिड के सड़क निर्माण कार्य को अविलंब पूर्ण कराने, महानगर के विभिन्न क्षेत्रों में ध्वस्त सड़कों एवं बड़े-बड़े गड्ढों को तत्काल दुरुस्त कराने तथा अन्य जनसमस्याओं को लेकर व्यापारियों ने नगर निगम कार्यालय परिसर के अंदर सड़क पर बैठकर हाथों में कटोरा लेकर धरना प्रदर्शन किया और कहा कि सीएम ग्रिड निर्माण का कार्य दीपावली से पन्द्रह दिन पहले पूर्ण नहीं हुआ तो कानपुर का करोड़ों रुपये का व्यापार प्रभावित होगा और व्यापारी भीख मांगने की स्थिति में आ जाएगा।

व्यापारियों ने नगर निगम परिसर के अंदर सड़क पर बैठकर हाथों में कटोरा लेकर काफी देर तक नारेबाजी की। धरना प्रदर्शन के उपरांत नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। धरना प्रदर्शन के दौरान भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने कहा कि कानपुर महानगर के मार्बल मार्केट किदवई नगर, यशोदा नगर से हमीरपुर रोड, ग्रीन पार्क से घंटाघर, साकेत नगर सहित विभिन्न प्रमुख मार्गों पर सीएम ग्रिड के सड़क निर्माण कार्य के चलते लंबे समय से व्यापारी, ग्राहक, वाहन चालक एवं आम नागरिक अत्यंत कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, निर्माण कार्य की धीमी गति तथा कई स्थानों पर सड़क की बदहाल स्थिति के कारण आवागमन बुरी तरह प्रभावित है। विशेष रूप से मार्बल मार्केट किदवई नगर, यशोदा नगर बाजार तथा मूलगंज चौराहे से परेड की ओर जाने वाले मार्गों पर यातायात एवं व्यापार दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।सीएम ग्रिड के निर्माण से प्रभावित कानपुर महानगर के विभिन्न बाजारों का लगभग 200 करोड़ रुपये से अधिक का वार्षिक कारोबार प्रभावित होने की आशंका से व्यापारियों में भी गंभीर चिंता व्याप्त है इसलिए दीपावली से पन्द्रह दिन पूर्व तक सीएम ग्रिड की सभी सड़कों का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर पूर्ण कराया जाए। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों की नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय से मुलाकात व ज्ञापन देने के उपरान्त उन्होंने कहा कि दो तीन दिन में बरसात कम होते ही चलने लायक सड़क बना दी जाएगी और सीएम ग्रिड का निर्माण भी जल्द करवाने का आश्वासन दिया।

बाढ़ से जलमग्न मायापुरम बस्ती पहुंचे विधायक सुरेंद्र मैथानी

» 150 से अधिक परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर कराया शिफ्ट, » मौके से ही राशन व पेयजल आपूर्ति के दिए निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पांडु नदी के उफान से आई भीषण बाढ़ के कारण वार्ड 09 रविदास पुरम की पूरी मायापुरम बस्ती जलमग्न हो गई। स्थानीय विधायक सुरेंद्र मैथानी तत्काल मौके पर पहुंचे और बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। बस्ती के कई घरों में करीब 10 फीट तक पानी भर जाने के कारण स्थिति गंभीर बनी हुई थी। विधायक ने स्थानीय लोगों के सहयोग से सभी प्रभावित परिवारों को सुरक्षित बाहर निकलवाया और उनके सामान सहित सड़क किनारे तथा ऊंचे स्थानों पर बने सुरक्षित स्थलों (मचान/झोपड़ियों) में शिफ्ट कराया।विधायक सुरेंद्र मैथानी जी ने बताया कि बस्ती के अंदर कमर से ऊपर तक भरे पानी में स्वयं जाकर यह सुनिश्चित किया गया कि कहीं कोई परिवार या बच्चा अंदर तो नहीं फंसा रह गया है। विधायक मैथानी ने कहा, ÷ईश्वर की कृपा है कि समय रहते कार्रवाई होने से कोई जान-माल का नुकसान नहीं हुआ।विधायक ने घटनास्थल से ही महाप्रबंधक (जीएम) जल संस्थान से फोन पर वार्ता की तथा निर्देश दिया कि विधायक निधि से दिए गए स्टील के पानी के टैंकरों को तत्काल प्रभावित क्षेत्र में खड़ा कराकर शुद्ध पेयजल की अविलंब व्यवस्था की जाए। राशन और अन्य आवश्यक वस्तुओं के प्रबंध को लेकर विधायक मैथानी ने मौके से ही एडीएम सदर से दूरभाष पर बात की। बताया कि 150 से अधिक प्रभावित परिवारों की सूची तैयार कर ली गई है, अतः प्रशासन तत्काल राशन किट और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे।विधायक ने सभी प्रभावित परिवारों के बीच जाकर एक-एक सदस्य का हाल-चाल जाना और सभी को अपना व्यक्तिगत फोन नंबर देते हुए कहा, ÷यदि रात में भी किसी प्रकार की समस्या या आपात स्थिति आए, तो बेझिझक सीधे मुझे फोन करें, मैं तुरंत हाजिर रहूंगा। विधायक जी ने क्षेत्रीय सक्षम नागरिकों से भी इन पीड़ित परिवारों की मदद के लिए आगे आने का आह्वान किया। विधायक सुरेंद्र मैथानी ने कहा विधानसभा के 100 प्रतिशत बाढ़ पीड़ितों को हर संभव राहत पहुंचाई जाएगी।

सुभाष चंद्र बोस पर अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में TUCC ने प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

जापान के रेंकोजी मंदिर की अस्थियों पर पुनः जांच की मांग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। ट्रेड यूनियन कोऑर्डिनेशन सेंटर जो भारत सरकार के श्रम मंत्रालय से मान्यता प्राप्त केंद्रीय ट्रेड यूनियन है, के कानपुर मंडल के पदाधिकारियों ने अपर सिटी मजिस्ट्रेट, कानपुर नगर के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित दो सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन महासचिव कानपुर मंडल दिनेश सिंह भोले, केंद्रीय सदस्य शरद प्रकाश अग्रवाल, उपाध्यक्ष अरविन्द शुक्ला और मंडल उपाध्यक्ष राकेश रावत, एडवोकेट सचिन सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों के नेतृत्व में दिया गया।

ज्ञापन में दो प्रमुख मांगे रखी गई हैं 1. भाजपा, पश्चिम बंगाल के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद समिक भट्टाचार्य तथा राज्यसभा सांसद अनंत महाराज उर्फ नागेन्द्र राय द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस के विरुद्ध की गई अपमानजनक एवं निराधार टिप्पणियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि अनंत महाराज ने नेताजी के पिता का नाम लेकर अपमान किया, आजाद हिंद सरकार और द्वन्द्व के अधिकार पर प्रश्न उठाया और यहां तक कहा कि उनकी नारायणी सेना ने नेताजी को मार डाला। यह स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अब तक की सबसे निंदनीय टिप्पणी है, जिससे देश भर के लाखों नेताजी अनुयायियों की भावना आहत हुई है।

2. जर्मनी निवासी अनीता पफ द्वारा सुप्रीम कोर्ट में स्वयं को नेताजी की पुत्री बताकर दायर याचिका, जो जापान के रेंकोजी मंदिर में रखी अस्थियों को नेताजी की अस्थि मानने पर आधारित है, को भारत सरकार द्वारा स्वीकार न किया जाए। ज्ञष्टष्ट ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा 1999 में गठित जस्टिस मनोज कुमार मुखर्जी आयोग ने ही ताइवान सरकार से प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर 18 अगस्त 1945 की विमान दुर्घटना के सिद्धांत को खारिज कर दिया था, अतः रेंकोजी मंदिर की अस्थियां नेताजी की नहीं हो सकतीं। मुखर्जी आयोग की अधूरी जांच को पुनर्जीवित कर पूर्ण किया जाए और तब तक सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका को खारिज किया जाए।नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने नेताजी के गोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक कर, अंडमान में द्वीप का नाम नेताजी के नाम पर रखकर, 2018 में आजाद हिंद सरकार की 75वीं वर्षगांठ मनाकर और इंडिया गेट पर नेताजी की प्रतिमा लगाकर जो सम्मान दिया है, उसी भावना के तहत इन अपमानजनक बयानों पर रोक लगाई जाए।

जीएसवीएमएस पीजीआइ की किडनी ट्रासप्लांट यूनिट में होगा किडनी रोगियों का इलाज

» मरीज के परिवार से ही की जायेगी किडनी डोनर की खोज

» ओपीडी में होगा गंभीर किडनी रोगियों का पंजीकरण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अब किडनी के उन रोगियों के लिए एक बडी राहत भरी खबर यह है कि इसी माह जीएसवीएमएस पीजीआइ की किडनी ट्रांसप्लांट यूनिट में ऐसे मरीजो का इलाज किया जायेगा, जिनकी किडनी का रोग पांचवी स्टेज पर है। इस उपचार से कडी संख्या में किडनी के रोगियों को लाभ पहुंचेगा।

इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए जीएसवीएम मेडिकल कालेज के प्रचार्य प्रो0 संजय काला ने बताया कि लंबे समय से डायलिसिस वाले मरीजो तथा क्रोनिक किडनी डिसीज के मरीजों का पंजीकरण ओपीडी में ही शुरू किया जा रहा है। उन्होने बताया कि किडनी ट्रांसप्लांट के लिए कुशल डाक्टरो की टीम में प्रशिक्षित 20 ओटी व नर्सिंग स्टाफ, डायलिसिस यूनिट ट्रांसप्लांट युनिट सहित सेफ कारिडोर तैयार किया जा रहा है। वहीं किडनी ट्रांसप्लाट से सम्बन्धित सभी प्रकार के आवश्यक उपकरण मगांये गये है। बताया कि जल्द ही यह उपकरण आ जायेगे, जिसके उपरान्त किडनी ट्रांसप्लांट का कार्य शुरू किया जायेगा। बताया गया कि इसी माह में पांचवी स्टेज के रोगियों की किडनी का ट्रासप्लाट करने के लिए पंजीयन शुरू किया जायेगा।गंभीर ह्रदय रोगियों की जटिल सर्जरी में हागी आसानी

कानपुर के ह्रदय रोग संस्थान में शहर ही नही अपितु आस-पास के क्षेत्रों से बडी संख्या में प्रतिदिन मरीज आते है। ऐसे में गंभीर ह्रदय रोगियों की देख-भाल अत्यन्त आवश्यक है। इसे देखते हुए ह्रदय रोग संस्थान में तीसरी कैथ लैब की शुरूआत की गयी थी। बताया जाता है कि इसकी सहायता से गंभीर ह्रदय रोगियों की जटिल संर्जरी करना अब आसान होगा तो वहीं मरीजों को भी अब एंजियोग्राफी व एंजियोपलास्टी जेसी महत्वपूर्ण प्रकियाओं के लिए लां इंतजार नही करना पड रहा है। इस कैथ लैब में एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, स्टेंट डालने के अलावा पेसमेकर, प्रत्यारोपण, ह्रदय के छेदों का भी इलज किया जायेगा।

एटीम मशीन तोड़ कैश चोरी करने की चोरो द्वारा नाकाम कोशिश

कानपुर। पतारा थाना घाटमपुर क्षेत्र के तिलसडा मोड स्थित एक एटीम मशीन को तोड कर कैश चोरी करने का चोरो द्वारा नाकाम प्रयास किया गया। जब चोरो द्वारा एटीएम मशीन से कैश नही निकाला जा सका तो वहां सीसीटीवी की डीवीआर मशीन और बैट्री पर चोरो ने हाथ साफ कर दिया।जानकारी के अनुसार थाना घाटमपुर क्षेत्र के पतारा कस्बे के तिलसडा मोड स्थित हिटाची एटीम मशीन को चोरो द्वारा तोडकर कैश निकालने का प्रयास किया गया। असफल होने पर उन्होने सीसीटीवी की डीवीआर मशीन और बैट्री पर हाथ साफ कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने आस-पास जानकारी की। घटना के सम्बन्ध में एसीपी घाटमपुर ने कहा कि एटीएम में चोरी की कोशिश की सूचना पर छानबीन की जा रही है।

दर्दनाक सड़क हादसे में दो चचेरे भाइयों की मौत

» बिठूर थाना क्षेत्र स्थित परियर पल पर हुआ भीषण सड़क हादसा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर के बिठूर थाना क्षेत्र स्थित परियर पुल पर रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों के परिजनों ने घटना को महज एक साधारण हादसा नहीं है, बल्कि किसी ने जानबूझकर वाहन चढ़ाकर दोनों की हत्या बताते हुए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जांचने की मांग की है।बिठूर थाना क्षेत्र स्थित परियर पुल पर रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान भिड़ईया गांव निवासी राहुल निषाद (27 वर्ष) और उनके रिश्तेदार सुजीत निषाद (25 वर्ष) के रूप में हुई है। राहुल नगर निगम में ऑपरेटर का काम करता था, जबकि सुजीत होटल में वेटर था। घटना की सूचना मिलते ही बिठूर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बिठूर इंस्पेक्टर अशोक कुमार सरोज ने बताया कि क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों को खंगाला जा रहा है ताकि वाहन की पहचान की जा सके। पुलिस का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।परिजनों ने बताया कि रक्षाबंधन पर सुजीत अपने रिश्तेदार राहुल के घर आया हुआ था। रविवार रात राहुल अपनी बाइक से सुजीत को उसके गांव उन्नाव (सफीपुर क्षेत्र स्थित माड़ापुर) छोड़ने जा रहा था। जैसे ही वे परियर पुल के पास पहुंचे, पीछे से आ रहे एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों के परिजनों ने घटना की परिस्थितियों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उनका आरोप है कि यह महज एक साधारण हादसा नहीं है, बल्कि किसी ने जानबूझकर वाहन चढ़ाकर दोनों की हत्या की है।

परिजनों ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जांचने की मांग की है।

बीएसएफ, एचसीएम परीक्षा के दौरान बंद हुए कम्प्यूटर, अभ्यर्थियों ने किया हंगामा

» श्यामनगर स्थित एक निजी स्कूल में हो रही थी बीएसएफ, एचसीएम की परीक्षा

» लागिंग करने के दस मिनट बाद ही बंद हो गये कम्प्यूटर उपकरण

» मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा स्थित को संभालने की कोशिश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। श्याम नगर स्थित एक निजी विधालय के बाहर अभ्यर्थियों ने उस समय हंगामा शुरू कर दिया, जब परीक्षा के दौरान अचानक कम्प्यूटर चलना बंद हो गया। उत्तेजित अभ्यर्थियों ने विधालय प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपना आक्रोश व्यक्त किया। हंगामें की सूचना पर पंहुची पुलिस ने किसी प्रकार अभ्यर्थियों को शांत कराया।

शहर के श्याम नगर क्षेत्र स्थिति एक निजी विधालय में बुधवार को बीएसएफ तथा एचसीएम की परीक्षा होनी थी। इन परीक्षा को देने के लिए 500 से अधिक अभ्यर्थी उपस्थित थे। अभ्यर्थियों द्वारा बताया गया कि परीक्षा शुरू होने के बाद जैसे ही कम्पूटर पर लांगिग की गयी कम्प्यूटर उपकरण बंद होने लगे। कहीं माउस काम नही कर रहा था तो किसी का सीपीयू बंद हो गया।

अभ्यर्थियों ने बताया कि परीक्षा के लिए प्रवेश सुबह साढे सात बजे शुरू हो गये थे और परीक्षा 9 बजे से शुरू हुई, लेकिन परीक्षा शुरू होने के महज दस मिनट बाद ही कम्प्यूटर बंद होने लगे, जिससे परीक्षा तथा समय प्रभावित हुआ, जब इस सम्बन्ध में अभ्यर्थियों ने विधालय में उपस्थित लोगों से बात की तो उन्होने कुछ नही सुना और सभी को 40 मिनट बाद विधालय से बाहर कर दिया गया। इस सम्बनध में विधालय की ओर से कोई स्पष्टीकरण नही दिया जा रहा है। वहीं हंगामें की सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी प्रकार हंगामा कर रहे अभ्यर्थियों को समझाने का प्रयास शुरू किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर बैठक हुई आयोजित

अधिक से अधिक वादों का सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण कराने के दिए निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशन एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के मार्गदर्शन तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर नगर की अध्यक्षता में 12 सितम्बर 2026 (द्वितीय शनिवार) को दीवानी न्यायालय परिसर, कानपुर नगर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, सिविल वाद, पारिवारिक वाद, बैंक ऋण वसूली वाद, एन.आई. एक्ट से संबंधित वाद तथा राजस्व संबंधी मामलों सहित अधिक से अधिक वादों का निस्तारण सुलह-समझौते के आधार पर कराया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों के संबंध में जनपद न्यायालय के प्रथम तल स्थित मीटिंग हॉल में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत रश्मि सिंह ने की।

बैठक में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/नोडल अधिकारी, मध्यस्थता-3.0 सुभाष सिंह, ए.डी.एम. (जे) बिन्दु लता, ए.डी.एम. सिटी, कानपुर नगर/नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत (प्रशासन) आलोक गुप्ता, एडिशनल डी.सी.पी./नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत (पुलिस विभाग) स्नेहा तिवारी, अग्रणी जिला प्रबंधक एवं लीड बैंक प्रबंधक आदित्य चन्द्रा तथा जनपद कानपुर नगर के विभिन्न बैंकों के पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को नियत कर उनका प्रभावी ढंग से निस्तारण कराने पर विशेष जोर दिया गया। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर नगर अभिनव तिवारी ने अधिकारियों एवं बैंक पदाधिकारियों से कहा कि अधिक से अधिक वादों को लोक अदालत के लिए नियत किया जाए। उन्होंने कहा कि जब तक नियत वादों की संख्या में वृद्धि नहीं होगी, तब तक निस्तारण की संख्या बढ़ाना संभव नहीं होगा। उन्होंने छोटी-छोटी समस्याओं एवं विवादों का भी सुलह-समझौते के माध्यम से त्वरित समाधान कराने पर जोर दिया।

उन्होंने बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि शाखाओं में आने वाले ग्राहकों के साथ बेहतर संवाद स्थापित करते हुए राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। साथ ही ऐसे मामलों को चिन्हित किया जाए, जिनका आपसी सहमति एवं उचित शर्तों के आधार पर समाधान संभव है। बैंक स्तर तथा पुलिस-प्रशासन के स्तर से संबंधित पक्षकारों को समय से नोटिस उपलब्ध कराकर उन्हें राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों के निस्तारण के लिए प्रेरित किया जाए।

बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की अपेक्षाओं के अनुरूप अधिक से अधिक पात्र पक्षकारों को लोक अदालत का लाभ दिलाया जाए तथा मामलों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें।राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या अथवा जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर नगर के कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है। अधिकारियों ने आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को पूर्ण रूप से सफल बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों से सक्रिय सहयोग एवं समन्वय की अपेक्षा की।

मच्छर जनित रोगों की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने लगाया स्वास्थ्य शिविर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कानपुर नगर के निर्देशों के अनुपालन में नोडल अधिकारी (वीबीडी) डॉ. राजेश्वर सिंह तथा जिला मलेरिया अधिकारी अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में जनपदीय वीबीडी टीम ने सहयोगी संस्था पाथ के रीजनल कोऑर्डिनेटर डॉ. शिवकांत के साथ विकासखंड चौबेपुर के ग्राम किशनपुर का भ्रमण किया। इस दौरान क्षेत्र में संचालित मच्छर जनित रोग नियंत्रण एवं संचारी रोग रोकथाम गतिविधियों का निरीक्षण किया गया।

भ्रमण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौबेपुर की विभागीय टीम द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर का अवलोकन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को मलेरिया, डेंगू एवं अन्य मच्छर जनित रोगों के लक्षण, बचाव, समय से जांच तथा उपचार के संबंध में जागरूक किया गया। ग्राम किशनपुर में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 80 रोगियों का परीक्षण कर उन्हें आवश्यक औषधियां वितरित की गईं। 35 रोगियों की मलेरिया एवं डेंगू जांच की गई तथा डेंगू की पुष्टि के लिए 19 नमूने एसएसएच प्रयोगशाला भेजे गए। वहीं विकासखंड कल्याणपुर के ग्राम कुरसौली में आयोजित शिविर में 25 रोगियों का परीक्षण किया गया, 20 रोगियों की जांच की गई तथा 4 नमूने डेंगू जांच के लिए भेजे गए। डिस्ट्रिक्ट रैपिड रिस्पांस टीम द्वारा भी क्षेत्र में स्वास्थ्य परीक्षण एवं सर्वेक्षण कार्य किया गया, जिसमें 36 व्यक्तियों की जांच की गई तथा 5 नमूने डेंगू परीक्षण के लिए भेजे गए।जनपद में आयोजित इन गतिविधियों के दौरान कुल 141 रोगियों का परीक्षण एवं उपचार किया गया।

90 व्यक्तियों की मलेरिया एवं डेंगू जांच की गई, जबकि किसी भी व्यक्ति में मलेरिया संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई। डेंगू की जांच हेतु कुल 28 नमूने प्रयोगशाला भेजे गए।सर्वेक्षण के दौरान टीम द्वारा 65 घरों का भ्रमण किया गया तथा लगभग 346 जल-पात्रों एवं कंटेनरों की जांच की गई। जांच के दौरान 8 स्थानों पर मच्छरों के लार्वा की ब्रीडिंग पाई गई, जिन्हें तत्काल नष्ट कराते हुए संबंधित गृहस्वामियों को भविष्य में जलभराव न होने देने के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों एवं फील्ड स्टाफ को वीबीडी सर्विलांस, फीवर केस डिटेक्शन, समयबद्ध रिपोर्टिंग, जांच एवं उपचार तथा मच्छर नियंत्रण संबंधी गतिविधियों के प्रभावी संचालन के निर्देश भी दिए गए।

स्वास्थ्य विभाग ने जनसामान्य से अपील की है कि मच्छर जनित एवं संचारी रोगों की रोकथाम में जनसहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक नागरिक अपने घर एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखें तथा किसी भी व्यक्ति को बुखार होने पर स्वयं उपचार करने के बजाय तत्काल स्वास्थ्य विभाग से संपर्क कर जांच एवं उचित उपचार प्राप्त करें।

संचारी रोगों एवं मच्छर जनित बीमारियों से संबंधित सूचना अथवा परामर्श के लिए यूएचएम चिकित्सालय, परेड स्थित नियंत्रण कक्ष के हेल्पलाइन नंबर 9335301096 पर संपर्क किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त नगर निगम नियंत्रण कक्ष के हेल्पलाइन नंबर 0512-2526004 एवं 0512-2526005 पर भी सूचना उपलब्ध कराई जा सकती है।

प्राप्त सूचनाओं के आधार पर संबंधित क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग एवं नगर निगम की टीमों द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

दस दिन बाद हाइड्रोपावर सुरंग से जिंदा निकले दो मजदूर

» बीपीएस न्यूज

काठमांडू। नेपाल में 26 अगस्त को आई भीषण बाढ़ के 10 दिन बाद त्रिशूली-3ए जलविद्युत परियोजना की सुरंग से दो मजदूरों को जीवित बाहर निकाल लिया गया। दोनों की पहचान 45 वर्षीय कबीर महर्जन और 30 वर्षीय संजय साह के रूप में हुई है।नेपाल सेना के जनसंपर्क निदेशालय के अनुसार महर्जन परियोजना में मैकेनिकल सुपरवाइजर और साह फोरमैन के तौर पर काम कर रहे थे। नेपाल सेना के नेतृत्व में सुरक्षा बलों की टीम विशेष उपकरणों की मदद से सुरंग में फंसे लोगों की तलाश और बचाव में जुटी थी।बचाव दल को पहले सुरंग के भीतर से लोगों की आवाज सुनाई दी थी। इसके बाद सुरंग में फंसे लोगों से संपर्क स्थापित किया गया। काठमांडू पोस्ट के अनुसार, आवाज सुनाई देने के बाद नेपाली सेना और सशस्त्र पुलिस बल ने दोनों तक पहुंचने के प्रयास तेज कर दिए थे।नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 1,282 हो गई। नेपाल पुलिस के अनुसार चितवन में 359, नवलपरासी पूर्व में 218, नवलपरासी पश्चिम में 208, नुवाकोट में 185, गोरखा में 72, धादिंग में 60, रसुवा में 140 और तनहूं में 38 शव बरामद किए गए हैं। काठमांडू के दो अस्पतालों में इलाज के दौरान दो और लोगों की मौत हुई, जिससे मृतकों की संख्या 1,282 हो गई।26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा के पास बर्फ और चट्टान के हिमस्खलन से अचानक बाढ़ आई थी। इससे उत्तरी और मध्य नेपाल के कई कस्बों और गांवों में भारी तबाही हुई।

निशु के बाप का हम सिर फाड़े कबूल करने वाले भारद्वाज पर कार्रवाई के लिए थाने पहुंची सीजेपी

पुलिस ने 72 घंटे में गिरफ्तारी का दिया भरोसा

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन के दौरान छात्र कार्यकर्ता निशु आजाद के पिता पर हमला करने के आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज को 72 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया जाएगा। भारद्वाज के साक्षात्कार की एक क्लिप वायरल हो गई थी, जिसके बाद यह विवाद हुआ है। खुद को कट्टर हिंदू बताने वाला भारद्वाज वीडियो में यह स्वीकार करते हुए देखा गया कि उसने प्रदर्शन के दौरान निशु आजाद के पिता संजय कुमार की खोपड़ी फोड़ दी और अपराध की गंभीरता के बावजूद वह जेल जाने से बच गया।

जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करने वाली सीजेपी भारद्वाज की गिरफ्तारी की मांग कर रही है और आरोप लगा रही है कि दिल्ली पुलिस भारद्वाज के खिलाफ पर्याप्त कार्रवाई करने में विफल रही। कथित घटना जंतर-मंतर पर ही हुई थी।

विवाद वीरवार को उस वक्त बढ़ गया जब दिल्ली पुलिस ने कहा कि 38-वर्षीय कुमार को हाथापाई के दौरान सिर में साधारण चोट लगी थी। पुलिस ने इस दावे को खारिज कर दिया कि उनकी खोपड़ी की हड्डी टूट गई थी। पुलिस ने कहा कि भारद्वाज और एक अन्य आरोपी सूरज कुमार को घटनास्थल से ही हिरासत में लिया गया, पूछताछ की गई और नोटिस दिया गया। पुलिस ने यह भी कहा कि इस मामले में आरोप-पत्र दायर किया जाएगा।

सीजेपी के सह-संयोजक सौरव दास और आशुतोष रांका तथा सांसद चन्द्रशेखर आजाद उर्फ रावण एवं पप्पू यादव के साथ संगठन के सैकड़ों समर्थक भारद्वाज के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए शुक्रवार

को संसद मार्ग थाने पहुंचे। निशु ने कहा कि पुलिस ने उन्हें आश्वासन दिया कि भारद्वाज को 72 घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, पुलिस ने कहा कि वे 72 घंटों में स्वतंत्र को गिरफ्तार कर लेंगे। हमें विश्वास है कि वे कार्रवाई करेंगे और इसमें देरी नहीं करेंगे, जैसा कि वे कर रहे थे। निशु ने यह भी कहा कि घटना के बाद उसे गालियां और बलात्कार की धमकियों दी गई तथा उसने मामले में एक प्राथमिकी भी दर्ज कराई थी।

उन्होंने कहा, मुझे बाहर निकलने में भी शर्म आ रही थी। कुछ हफ्तों तक मैं स्कूल नहीं जा सकी, मुझे लगता है कि हर कोई मुझे आंक रहा है। मुझे उम्मीद है कि पुलिस कार्रवाई करेगी। कांग्रेस के विधि विभाग से जुड़े ऋषभ ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने प्राथमिकी में हत्या के प्रयास, अनुसूचित जाति (एससी)/अनुसूचित जनजाति (एसटी) अधिनियम के प्रावधान और आपराधिक धमकी के आरोप जोड़ने की मांग की थी। उन्होंने कहा, वे (पुलिस) सहमत हुए और आश्वासन दिया कि 72 घंटों में उसे (स्वतंत्र भारद्वाज को) गिरफ्तार कर लिया जाएगा। ऋषभ ने बताया कि पुलिस ने उन्हें यह भी भरोसा दिलाया है कि निशु को निशाना बनाकर किए गए कथित ऑनलाइन दुर्व्यवहार और आपत्तिजनक तस्वीरों को लेकर एक अलग प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

सीजेपी के सौरव दास ने कहा कि अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) ने संजय कुमार पर हमले से संबंधित प्राथमिकी में हत्या के प्रयास और एससी/एसटी अधिनियम के प्रावधानों को जोड़ने का वादा किया है। दास ने कहा, स्वतंत्र भारद्वाज जैसे गुंडे जंतर-मंतर पर आए थे।

क्या दिल्ली पुलिस ने उनकी पहचान नहीं की? उन्होंने हत्या का प्रयास किया। दिल्ली पुलिस उन्हें बचा रही है, कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि पुलिस ने उन्हें यह भी आश्वासन दिया था कि निशु को धमकी देने पर एक प्राथमिकी दर्ज की जाएगी और पॉक्सो अधिनियम के प्रावधान जोड़े जाएंगे। दास ने कहा, दिल्ली पुलिस ने 72 घंटे में कार्रवाई का आश्वासन दिया है। हमें उम्मीद है कि दिल्ली पुलिस गुंडों को खुली छूट नहीं देगी।

लखनऊ के पुलिस थानों में जन्माष्टमी की धूम

पुलिस लाइन में गरजे सीएम, कहा आस्था मिटाने वाले मिट्टी में मिल गए

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। शहर के मंदिरों से लेकर पुलिस थानों तक जन्माष्टमी की विशेष तैयारियां की गई हैं। लखनऊ के सभी 53 पुलिस थानों को सजाया गया है। वहीं, पुलिस लाइन में जन्माष्टमी के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनके कर्मयोग और धर्म-अधर्म के संघर्ष का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन हमें अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने और निष्काम कर्म को जीवन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने हालिया मथुरा-वृंदावन दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि भगवान बांके बिहारी के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। गर्मी और

अन्य परेशानियां भी लोगों की आस्था को नहीं रोक पा रही हैं।

सीएम योगी ने कहा कि मथुरा-वृंदावन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ यह बताती है कि लोगों की आस्था कितनी मजबूत है। उन्होंने कहा कि मंदिरों को नष्ट करने की कोशिशें भले ही हुई हों, लेकिन लोगों के मन में स्थापित आस्था को कोई समाप्त नहीं कर सका। उन्होंने सोमनाथ मंदिर और राम मंदिर का उल्लेख करते हुए कहा कि इन्हें तोड़ने की कोशिश की गई, लेकिन लोगों की आस्था खत्म नहीं हुई।

'आस्था मिटाने की कोशिश करने वाले मिट्टी में मिल गए'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ÷हमारी आस्था को मिटाने की कोशिश करने वाले मिट्टी में मिल गए। उन्हें पूछने वाला कोई नहीं है।

हमारा भारत आज भी जीवित है, जागृत है और शाश्वत रूप से अपनी यात्रा में है।÷ उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण हमें अपने कर्मक्षेत्र में स्वयं को पहचानने और श्रेष्ठ कर्म के रास्ते पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। व्यक्ति को अपने कर्तव्य और कर्म की पहचान कर उसी दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

श्रीकृष्ण का जन्म अंधकार में हुआ, लेकिन समाज को प्रकाश दिखाया

सीएम योगी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म जेल में अंधकार के बीच हुआ, लेकिन उन्होंने पूरे समाज को प्रकाश का रास्ता दिखाया। श्रीकृष्ण का अवतरण धर्म, सत्य और न्याय की स्थापना के लिए हुआ था। उन्होंने कहा कि कंस के अत्याचार के खिलाफ संघर्ष से लेकर महाभारत तक श्रीकृष्ण का जीवन अन्याय के खिलाफ खड़े होने और धर्म की स्थापना का संदेश देता है। जीवन में जब भ्रम या संशय पैदा होता है, तब श्रीकृष्ण का संदेश व्यक्ति को सही मार्ग दिखाता है।

'निष्काम कर्म को जीवन का हिस्सा बनाएं'

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने कर्तव्य पथ पर निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। जब तक व्यक्ति निष्काम कर्म को अपने जीवन का हिस्सा बनाए रखेगा, तब तक देश की विजय यात्रा भी आगे बढ़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि आज देश के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रतिस्पर्धा दिखाई दे रही है। यह प्रतिस्पर्धा सकारात्मक होनी चाहिए, न कि नकारात्मक।

बाढ़ ने छीना कारोबार, अब सरकार देगी नई उम्मीद, राहत पैकेज में कई बड़ी रियायतें

» बीपीएस न्यूज

काठमांडू। नेपाल सरकार ने विनाशकारी भोटेकोशी बाढ़ से प्रभावित कारोबारियों के लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा की है, जिसमें कर संबंधी रियायतें, ऋण के पुनर्गठन और सस्ती दर पर कर्ज की व्यवस्था शामिल है। प्राधिकारियों ने इसके साथ ही बाढ़ के कारण तबाह हुस्तियों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर बसाने की तैयारी भी शुरू कर दी है। सरकार ने 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद राहत एवं पुनर्वास के प्रयास तेज करते हुए ये कदम उठाए हैं।

बाढ़ के कारण नेपाल में मकान, सड़कें और पुल बह गए थे, सैकड़ों लोगों की मौत हुई तथा हजारों लोग लापता हैं। त्रिशूली नदी के किनारे स्थित कई बस्तियां भी पूरी तरह तबाह हो गईं। नेपाल मंत्रिमंडल ने कारोबारियों के लिए वीरवार को घोषित इन कदमों को पुनर्वास पैकेज का पहला चरण बताया। खबर के अनुसार, जिन कारोबारियों के वाणिज्यिक वाहन, परिवहन उपकरण, संयंत्र, मशीनें, औजार या अन्य उपकरण पूरी तरह नष्ट हो गए या बाढ़ में बह गए, उन्हें उनके बदले नए उपकरण बिना सीमा शुल्क चुकाए आयात करने की अनुमति दी जाएगी।

यह रियायत उन वस्तुओं पर भी लागू होगी जिनका सीमा शुल्क पहले ही चुकाया जा चुका था लेकिन वे अपने गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही नष्ट हो गईं और ऐसी वस्तुओं के बदले सामान छह महीने के भीतर किसी भी सीमा शुल्क कार्यालय के जरिये आयात करना होगा। खबर में कहा गया कि प्रांतीय एवं स्थानीय सरकारों से भी प्रभावित कारोबारियों और संपत्तियों को संपत्ति एवं व्यवसाय कर, भवन निर्माण अनुमति शुल्क और अन्य स्थानीय शुल्कों में अस्थायी रियायत देने को कहा जाएगा।सरकार ने देश के केंद्रीय बैंक नेपाल राष्ट्र बैंक को बाढ़ प्रभावित कर्जदारों के ऋण का पुनर्गठन करने या भुगतान की समयसीमा में बदलाव की सुविधा देने का निर्देश दिया है। बीमा प्राधिकरण से भी दावों के निपटारे में तेजी लाने को कहा गया है। इसके लिए बीमा कंपनियों को सरल प्रक्रिया के तहत सर्वेक्षक तैनात करने की अनुमति दी जाएगी। प्रारंभिक आकलन के आधार पर अनुमानित नुकसान की 50 प्रतिशत तक राशि अग्रिम रूप से देने का भी प्रावधान किया गया है।

%द काठमांडू पोस्ट% के अनुसार, बाढ़ में रसुवा, नुवाकोट और धादिंग में करीब 15 बस्तियां तबाह हो गईं। राष्ट्रीय योजना आयोग (एनपीसी) ने बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण, सुरक्षित बस्तियां बसाने और दीर्घकालिक विकास जरूरतों को पूरा करने के लिए एक व्यापक योजना पर काम शुरू कर दिया है।

एनपीसी के उपाध्यक्ष गुणाकर भट्ट ने कहा कि आयोग आपदा के बाद की जरूरतों का आकलन भी कर रहा है, जिसके तहत बुनियादी ढांचे, उत्पादन क्षेत्रों, सेवाओं, पर्यावरण और व्यापक अर्थव्यवस्था को हुए नुकसान का आकलन किया जाएगा। नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) के प्रारंभिक आकलन के अनुसार, 15 स्थानीय इकाइयों में करीब 16 लाख लोग सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं और 8,317 मकान नष्ट हो गए हैं। बुनियादी ढांचा विकास मंत्रालय नयी बस्तियों की योजना बनाने से पहले प्रभावित इलाकों को जोड़ने वाली सड़कों और पुलों को बहाल करने पर ध्यान देगा।

गांजा पीकर विमान उड़ाने पर गिरी गाज, एअर इंडिया ने पायलट को नौकरी से निकाला

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली।एअर इंडिया ने फुकेत-दिल्ली फ्लाइटU AI-2379 के पायलट-इन-कमांड को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। कार्रवाई ड्रग टेस्ट में साइकोएक्टिव पदार्थ का नतीजा पॉजिटिव आने के बाद हुई। कंपनी ने इसे सुरक्षा नियमों और नियामकीय जरूरतों के मामले में अपनी जीरो टॉलरेंस नीति के तहत लिया है।एअर इंडिया ने एक्स पर बताया कि पायलट का साइकोएक्टिव पदार्थ टेस्ट पॉजिटिव आया था। इसके बाद उसकी नौकरी तत्काल प्रभाव से खत्म कर दी गई। एअर इंडिया के मुताबिक सुरक्षा, फिटनेस और नियामकीय जरूरतों के उल्लंघन पर उसकी जीरो टॉलरेंस नीति है। इसी के तहत पायलट पर तत्काल कार्रवाई की गई।

चार अगस्त 2026 को एअर इंडिया की फ्लाइट U AI-2379 फुकेत से दिल्ली आ रही थी। एयरबस में 137 यात्री थे। इनमें तीन बच्चे भी शामिल थे। विमान में छह केबिन क्रू और दो पायलट थे। विमान करीब 36 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। तभी कुछ ही सेकंड में उसके तीनों हाइड्रोलिक सिस्टम एक के बाद एक फेल हो गए। इसके बाद ऑटोपायलट बंद हो गया। करीब दो सेकंड तक स्टॉल वॉर्निंग भी सुनाई दी।विमान पहले करीब 372 फीट ऊपर गया। इसके बाद करीब 292 फीट नीचे आ गया। उस समय सीट बेल्ट का साइन बंद था। अचानक हुए बदलाव से 24 लोग घायल हुए। घायलों में 20 यात्री और चार केबिन क्रू शामिल थे। 20 लोगों को शुरुआती इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। चार लोगों को गंभीर चोटों के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया।घटना के शुरुआती दौर में इसे खराब मौसम और टर्बुलेंस से जुड़ा बताया गया था। लेकिन विमान में लोगों के घायल होने और नुकसान को देखते हुए मामले की जांच हादसे के तौर पर शुरू की गई।

सरयू नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 23 सेंटीमीटर ऊपर, रामसनेही घाट के कई गांवों में पहुंचा बाढ़ का पानी,फसलों को नुकसान

खतरे के निशान 106.070 मीटर से 23 सेंटीमीटर अधिक

» बीपीएस न्यूज

रामसनेहीघाट/बाराबंकी। सरयू नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से रामसनेहीघाट तहसील क्षेत्र में बाढ़ का खतरा गहरा गया है। आज सुबह आठ बजे एल्गिन ब्रिज पर सरयू का जलस्तर 106.300 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 106.070 मीटर से 23 सेंटीमीटर अधिक है। नदी का पानी कई गांवों तक पहुंच गया है,

जिससे ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ने के साथ ही फसलों को भी नुकसान हुआ है।बाढ़ की स्थिति को देखते हुए तहसील प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है। तहसीलदार शशांक नाथ उपाध्याय ने बाढ़ प्रभावित गांवों का जायजा लिया और ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और

कर्मचारियों को प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री एवं भोजन समय से पहुंचाने के निर्देश दिए।

राहत कार्यों में किसी तरह की लापरवाही न हो, इसके लिए तहसीलदार ने बाढ़ पीड़ितों के लिए तैयार कराए गए भोजन की गुणवत्ता भी स्वयं चखकर परखी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राहत सामग्री और भोजन की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा जरूरतमंद ग्रामीणों तक समय से सहायता पहुंचाई जाए।

बाढ़ की स्थिति पर एसडीएम वृजेंद्र उपाध्याय, तहसीलदार शशांक नाथ उपाध्याय और राजस्व विभाग की टीमें लगातार नजर बनाए हुए हैं। प्रभावित क्षेत्रों में कर्मचारियों को सक्रिय कर दिया गया है और सभी टीमों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन की ओर से नदी के जलस्तर और बाढ़ प्रभावित गांवों की स्थिति पर लगातार निगरानी की जा रही है।

धरती पकड़ की अंतिम विदाई पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के खिलाफ चुनाव लड़कर बटोरी थी सुर्खियां

» बीपीएस न्यूज

भागलपुर। अपने अनोखे अंदाज, बेबाक व्यक्तित्व और सामाजिक सरोकारों के लिए अलग पहचान बनाने वाले भागलपुर के चर्चित समाजसेवी एवं चुनावी चेहरे नागरमल बाजोरिया उर्फ 'धरती पकड़' शुक्रवार को पंचतत्व में विलीन हो गए।

पटना में निधन के बाद उनका पार्थिव शरीर भागलपुर लाया गया, जहां हजारों लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। वर्ष 1997 में लखनऊ से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के खिलाफ 100 गधों के साथ चुनाव लड़कर उन्होंने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा था।शुक्रवार को भागलपुर में नागरमल बाजोरिया की अंतिम यात्रा में शहर के विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए। परिजनों, शुभचिंतकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम यात्रा के दौरान हर किसी की जुबान पर उनसे जुड़े किस्से थे। लोगों ने कहा कि 'धरती पकड़' भले ही आज इस दुनिया से चले गए हों, लेकिन उनका व्यक्तित्व हमेशा याद रखा जाएगा।

नागरमल बाजोरिया को सबसे अधिक पहचान वर्ष 1997 में मिली, जब उन्होंने लखनऊ से तत्कालीन प्रधानमंत्री और देश के लोकप्रिय नेता अटल बिहारी वाजपेयी के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरने का फैसला किया। नामांकन और चुनाव प्रचार के दौरान वे अपने साथ 100 गधों का काफिला लेकर निकले थे। उनका यह अनोखा अंदाज राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में रहा और 'धरती पकड़' नाम पूरे देश में मशहूर हो गया। उन्होंने अपने जीवन में कई चुनाव लड़े, लेकिन जीत उनके हिस्से में कभी नहीं आई।भागलपुर के लोगों का कहना है कि नागरमल बाजोरिया की याददाश्त गजब की थी। वे एक बार जिससे मिल लेते थे, वर्षों बाद भी उसे नाम लेकर पुकारते थे। यही वजह थी कि हर वर्ग के लोगों से उनका आत्मीय रिश्ता बना रहता था। उनका मिलनसार स्वभाव और सहज व्यवहार लोगों के दिलों में विशेष स्थान रखता था।

आंखों में रोशनी नहीं, फिर भी हजारों बच्चों के भविष्य में भर रहे उजाला; इंजीनियर से शिक्षक बने प्रकाश सोनी की कहानी

» बीपीएस न्यूज

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के ऐतिहासिक लखना कस्बे के नेत्रहीन शिक्षक प्रकाश सोनी आँखों में रोशनी न होने के बावजूद शिक्षा का ऐसा उजाला फैलाने में जुटे हुए है जिसकी चमक देश विदेश में फैल रही है। उल्लेखनीय है कि 1992 में अचानक उच्च रक्तचाप से अपनी आंखों की रोशनी गंवा देने के बाद से इंजीनियर प्रकाश सोनी शिक्षक बनकर

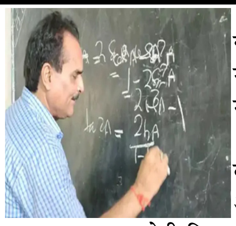

छात्रों के भविष्य को गढ़ने का काम कर रहे हैं।

सबसे खास बात तो यह है कि अपने नाम के अनुरूप प्रकाश सोनी शिक्षण कार्य के माध्यम से ऐसा प्रकाश बिखेर रहे हैं कि उनके कई शिष्य उच्च पद पर आसीन हैं। एसडीएम, डिप्टी एसपी, इंजीनियर ओर न जाने कौन-कौन से पदों पर शिक्षक सोनी के पढ़ाये हुए छात्र आज उनका नाम रोशन करने में लगे है। प्रकाश सोनी लखना देहात में रॉयल हैप्पी किड्स सीनियर सेकेंडरी नाम से स्कूल संचालित करते हैं। वह ब्लैक बोर्ड पर ऐसे लिखते हैं कि जैसे उनकी आंखों की रोशनी हो लेकिन वास्तविकता में आंखों की रोशनी 32 साल पहले एक हादसे में गंवा चुके हैं।

उनकी खूबसूरत लिखावट न केवल स्कूली छात्र-छात्राओं को बेहद पसंद है बल्कि पढ़ने का अंदाज भी छात्र-छात्राओं को बेहद लाजवाब लगता है। लंदन के ख्यातिलब्ध लेखक जान मिल्टन की उपान्यास इन हिज ब्लाइंडनेस की कहानी को अपनी पंसदीदा रचना बताने वाले प्रकाश सोनी की खुद की कहानी भी कम प्रेरणादायक नहीं है। प्रकाश आज छात्रों के प्रिय शिक्षक बने हुए हैं।प्रकाश सोनी की पत्नी विजयलक्ष्मी रॉयल हैप्पी किड्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रधानाचार्य हैं । उनका कहना है कि पति इंजीनियर रहे हैं। उन्होंने कानपुर से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है लेकिन 1992 में हुए एक हादसे ने उनकी आंखों की रोशनी चली गई। इसके बाद से कुछ कर गुजरने की ललक ने उनको शिक्षण कार्य की ओर मोड़ दिया। इसके बाद से प्रकाश सोनी लगातार शिक्षण कार्य में बखूबी जुटे हुए हैं। जब पति बीस साल के थे, उस वक्त उनकी आंखों की रोशनी धीरे-धीरे जाने लगी। 23 साल आते-आते आंखों की रोशनी रेटिना के अपनी जगह से खिसक जाने के कारण पूरी तरह चली गई। चेन्नई के शंकरनेत्रालय अस्पताल में इलाज कराया, लेकिन रोशनी वापस नहीं आई और 2 मई 1992 को उनके जीवन में हमेशा-हमेशा के लिए अंधेरा छा गया।स्कूल के शिक्षक स्वदेश कुमार का कहना है कि प्रकाश सोनी शिक्षक नेत्रहीन होने के बाबजूद भी ऐसी अलख जगाये हुए है जिससे उनका हर कोई मुरीद बना हुआ है। माता पिता अपने बेटे बेटियों को उनके स्कूल में पढ़ाना अपना सौभाग्य मनाते है। स्कूली छात्रा पल्लवी कहना है कि प्रकाश सर जैसा कोई दूसरा ऐसा नहीं पढ़ा सकता है प्रकाश जी ऐसा पढ़ाते है जो जहन में एक दफा में ही समा जाता है।

जिलाधिकारी ने जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का लिया जायजा

» लगभग एक हजार परिवार आंशिक रूप से प्रभावित, जिन्हें राहत सामग्री किया वितरित

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने पांडु नदी से सटे जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अंबेडकर नगर, पिपौरी सहित आसपास की बस्तियों में स्थानीय लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं और हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। अंबेडकर नगर में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह एवं विधायक सुरेंद्र मैथानी ने जलभराव प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री की किट वितरित की। अब तक करीब 500 प्रभावित परिवारों को राहत किट उपलब्ध कराई जा चुकी हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक आकलन के अनुसार पांडु नदी से सटे निचले इलाकों में करीब एक हजार परिवार आंशिक रूप से प्रभावित हुए हैं। ग्राम गुजैनी के मायापुरम व रविदासपुरम, पिपौरी, मर्दनपुर, मेहरबान सिंह का पुरवा, ग्राम जरौली के गोपाल नगर, वरुण विहार, बर्रा, पनका और बहादुर नगर क्षेत्र में जलभराव हुआ है। जलभराव मुख्य रूप से पांडु नदी के कैचमेंट एरिया में हुई बसावट वाले क्षेत्रों में है।पिपौरी में एनडीआरएफ की टीम तैनात है और स्थानीय लोगों की सहायता कर रही है। एनडीआरएफ के अधिकारियों के अनुसार गांव की ओर जाने वाले मार्ग पर करीब एक से डेढ़ फुट पानी है, जो अब धीरे-धीरे नीचे उतर रहा है। टीम मौके पर मौजूद रहकर जरूरतमंद लोगों की सहायता करने के साथ स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

प्रभावित लोगों के लिए प्रशासन की ओर से कम्युनिटी किचन का संचालन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से प्रतिदिन करीब 400 लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि जो प्रभावित परिवार राहत शिविरों में न आकर अभी भी अपने घरों में आसरा लिए हुए हैं, उन्हें भी राहत किट उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने अधिकारियों को ऐसे परिवारों को चिह्नित कर उनके घरों तक राहत किट पहुंचाना सुनिश्चित करने के निर्देश दियेजिलाधिकारी ने बताया कि गंगा और यमुना दोनों नदियों का जलस्तर फिलहाल चेतावनी बिंदु से नीचे है और इन नदियों को लेकर कोई विशेष समस्या नहीं है। पांडु एक मौसमी नदी है और इसके जलस्तर में वृद्धि के कारण आसपास के निचले क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बनी है। प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। उन्होंने लोगों से किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने और आवश्यकता पड़ने पर प्रशासन से संपर्क करने की अपील की।

गोल्डन बाबा ने भक्तो को वितरित किये 651 लड्डू गोपाल के साथ भागवत गीता

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बाबा पिपरेश्वर शिव धाम मंदिर में महामंडलेश्वर गोल्डन गिरी महाराज के द्वारा 651 लड्डू गोपाल और भागवत गीता को कानपुर नगर वासियों को वितरित किया गया और वितरण के माध्यम से संदेश भी दिया गया की जो भक्त लड्डू गोपाल को अपने घर ले जा रहा है वह लड्डू गोपाल जी की सेवा करेगा और अपने परिवार में मांस मदिरा का सेवन नहीं करेगा। इस कार्यक्रम में अयोध्या धाम से पधारे जगतगुरु करपात्री महाराज, पनकी महंत महामंडलेश्वर कृष्ण दास महाराज, महाबलेश्वर गणेशानंद जी, कुमार गारमेंट्स के मालिक उदय सिंह सहित कई गड़मान्य भक्त कार्यक्रम में शामिल हुवे। लड्डू गोपाल वितरण के माध्यम से लड्डू गोपाल भक्तों को शपथ पत्र भरवाया गया। भक्तों ने शपथ ली कि मैं लड्डू गोपाल लेने के पश्चात लड्डू गोपाल की प्रतिदिन पूजा अर्चना करूंगा और हमारे घर में लड्डू गोपाल के आने के पश्चात मांस मदिरा का प्रयोग नहीं होगा। यह संदेश सनातन धर्म के लोगों को सोशल मीडिया के माध्यम से भी पहुंचाया गया। महामंडलेश्वर गोल्डन गिरी महाराज ने कहा की हमारा यह मानना है कि अगर 651 लड्डू गोपाल भक्तों को वितरित किये गए हैं उनमे से अगर एक लड्डू गोपाल एक भक्त के घर जा रहे हैं तो उनके घर में उपस्थिति पांच लोगों को यह सन्देश जायेग। इस प्रकार उन सभी भक्तों के माध्यम से यह संदेश 3ऽ30 हजार लोगों में जाएगा और सोशल मीडिया के माध्यम से लाखों लोगों में जाएगा और लड्डू गोपाल वितरण का उद्देश्य ही है कि लड्डू गोपाल के माध्यम से समाज को नशा मुक्ति का संदेश दिया जाए।

बरसात के मौसम में इन सब्जियों से बनायें दूरी

वरना फूड पॉइजनिंग के हो सकते हैं शिकार

बारिश का मौसम जितना राहत देता है, उतनी ही बीमारियां भी अपने साथ लाता है। आयुर्वेद और मॉडर्न मेडिकल साइंस, दोनों ही मानसून में खान-पान को लेकर विशेष सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। इस मौसम में हवा में नमी बढ़ जाती है, जो बैक्टीरिया, फंगस और कीड़ों के पनपने के लिए सबसे अनुकूल माहौल है। ऐसे में कुछ ऐसी सब्जियां हैं, जिन्हें बारिश के दिनों में अपनी थाली से पूरी तरह दूर रखना चाहिए, क्योंकि इन्हें खाने से आप तुरंत फूड पॉइजनिंग, डायरिया या पेट के गंभीर इन्फेक्शन का शिकार हो सकते हैं।

» हरी पत्तेदार सब्जियां

आमतौर पर सेहत के लिए वरदान मानी जाने वाली हरी पत्तेदार सब्जियां मानसून में सबसे बड़ी दुश्मन बन सकती हैं। पत्तागोभी, पालक और ब्रोकली जैसी सब्जियों की परतों के बीच छोटे-छोटे कीड़े और उनके अंडे छिपे होते हैं, जो सामान्य रूप से धोने पर भी नहीं निकलते। इसके अलावा, बारिश के पानी और मिट्टी के संपर्क में रहने के कारण इनमें बैक्टीरिया का लोड बहुत ज्यादा होता है।

» फूलगोभी न खाएं

फूलगोभी की बनावट ऐसी होती है कि इसमें नमी आसानी से रुक जाती है। यह नमी कीड़ों और फंगस को आकर्षित करती है। बारिश के दिनों में गोभी के अंदर छोटे-छोटे कीड़े (जिन्हें देखना भी मुश्किल होता है) घर बना लेते हैं, जो पेट में जाकर गंभीर इन्फेक्शन पैदा कर सकते हैं।

» मशरूम न खाएं

मशरुम सीधे तौर पर मिट्टी और नमी वाले वातावरण में उगते हैं। मानसून के दौरान इनमें बैक्टीरिया और फंगस के पनपने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। अगर मशरूम ठीक से साफ न हो या थोड़ा भी बासी हो, तो यह सीधा आपको अस्पताल पहुंचा सकता है। इसलिए इसे बारिश में खाने से बचें।

सब्जियों को बनाने से पहले करें ये काम

अगर कोई सब्जी बनानी भी है, तो उसे पकाने से पहले गुनगुने नमक वाले पानी या सिरके के पानी से अच्छी तरह धोएं।बारिश में सलाद या कच्ची सब्जियां खाने से पूरी तरह बचें। हमेशा अच्छी तरह पका हुआ भोजन ही करें।

कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम में नवजात बच्चियों को वितरित की गई बेबी किट

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। महिला कल्याण विभाग के तत्वावधान में राजकीय महिला चिकित्सालय (डफरिन), कानपुर नगर में कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान द्वारा नवजात बच्चियों एवं उनके परिजनों को बेबी किट वितरित की गई।कार्यक्रम के दौरान डॉ. बबीता सिंह चौहान ने महिलाओं एवं बालिकाओं के हित में संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली तथा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन एवं बालिकाओं के संरक्षण, शिक्षा और सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया।उन्होंने कहा कि बेटियां समाज की शक्ति हैं और उनके जन्म को उत्सव के रूप में मनाकर समाज में सकारात्मक संदेश दिया जाना आवश्यक है। सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए संचालित योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाना सभी संबंधित विभागों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग के जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी, राजकीय महिला चिकित्सालय की अधीक्षिका एवं चिकित्सकीय/अन्य स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य कन्या जन्म को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ बालिकाओं के प्रति समाज में सकारात्मक सोच एवं जागरूकता को बढ़ावा देना रहा।

'हनुमान अंश' के मेकर्स ने सिक्वल का किया ऐलान

'नीम करौली' बाबा की जिंदगी के अनछुए पहलुओं को बयां करती फिल्म 'हनुमान अंश' की सफलता के बाद मेकर्स ने इस फिल्म के सीक्वल के निर्माण का ऐलान कर दिया है। छोटे बजट की फिल्म 'हनुमान अंश' बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच रही है। महज 2 करोड़ रुपए के बजट में बनी यह फिल्म अभी तक सिर्फ भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 60 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा चुकी है। न सिर्फ फिल्म की कमाई बढ़ी है, बल्कि इसका क्रेज भी बहुत बढ़ा है। शुरू में जहां चंद स्क्रीन्स पर यह मूवी चलाई जा रही थी, वहीं अब इसे 5 हजार से ज्यादा स्क्रीन्स पर चलाया जा रहा है। सिर्फ 27 दिन में 'हनुमान अंश' मेकर्स का पैसा 28 गुना कर चुकी है। इस फिल्म की सफलता के साथ एक्ट्रेस पूर्णिमा तिवारी भी लगातार सुर्खियों में हैं।फिल्म में उन्होंने नीम करौली बाबा की पत्नी का किरदार निभाया है, जिसमें उनकी सादगी, भावनात्मक अभिनय और 50 के दशक के लुक ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया। इस फिल्म से अभिनेता शोभिनव सत्या भी उभर कर सामने आए हैं। नवोदित शोभिनव सत्या 'हनुमान अंश' में नीम करोली बाबा का किरदार निभाया है। उन्होंने FTII, पुणे से पढ़ाई की है। एक्टिंग के साथ वह असिस्टेंट डायरेक्टर, सेकंड यूनिट डायरेक्टर, स्क्रिप्ट और कंटिन्यूटी विभाग में काम कर चुके हैं। उन्होंने 'महापौर', 'CID', 'रागिनी एमएमएस' और 'हैप्पीली एवर आफ्टर' जैसे प्रोजेक्ट्स में काम किया है। यशराज प्रोडक्शन हाउस की बहुचर्चित और 500 करोड़ के बजट की फिल्म 'टॉक्सिक' को 7वें दिन की कमाई में पछाड़ने वाली इस फिल्म के निर्देशक विशाल चतुर्वेदी हैं।

प्रस्तुतिः काली दास पाण्डेय

जातिगत जनगणना के मौजूदा प्रारूप में बड़ी खामियां मोदी सरकार की नीयत पर सवाल : साधना भारती

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता साधना भारती ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए केंद्र की मोदी सरकार पर जातिगत जनगणना को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना के मौजूदा प्रारूप में मूलभूत कमियां हैं और इससे साफ जाहिर होता है कि मोदी सरकार की नीयत जातिगत जनगणना को पारदर्शी और वैज्ञानिक तरीके से कराने की नहीं है।साधना भारती ने कहा कि कांग्रेस मौजूदा प्रश्नावली को खारिज करती है और मांग करती है कि इसे तत्काल रद्द कर तेलंगाना और बिहार की तर्ज पर प्रमाणित जातियों की ड्रॉपडाउन सूची के आधार पर नई प्रश्नावली तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों, विशेषज्ञों और जनता से व्यापक विचार-विमर्श के बाद ही नई प्रश्नावली तैयार होनी चाहिए, ताकि देश की प्रत्येक जाति और समुदाय की वास्तविक संख्या सामने आ सके।

उन्होंने कहा कि आगामी जनगणना के अधिसूचित 40 प्रश्नों में सवाल नंबर 10 ही सरकार की मंशा पर सवाल खड़ा करता है। इसमें ओपन-एंडेड विकल्प रखा गया है, जबकि जातिगत जनगणना के लिए प्रमाणित ड्रॉपडाउन सूची बेहद जरूरी है। अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में एक ही जाति अलग-अलग नामों, उपजातियों, बोलियों और वर्तनी से जानी जाती है। ऐसे में ओपन-एंडेड व्यवस्था के कारण एक ही जाति के अनेक नाम दर्ज होंगे और वास्तविक आंकड़े बुरी तरह बिखर जाएंगे।साधना भारती ने कहा कि प्रश्नावली में ÷पिछड़ा वर्ग÷ शब्द तक शामिल नहीं है। ऐसी स्थिति में देश के ओबीसी और ईबीसी समाज की वास्तविक आबादी का सही आंकड़ा सामने कैसे आएगा? उन्होंने कहा कि गलत जातिगत आंकड़ों का सबसे बड़ा नुकसान ओबीसी, ईबीसी, दलितों और अन्य वंचित वर्गों को होगा। सही आंकड़े नहीं होंगे तो ÷जितनी आबादी, उतना हक÷ की लड़ाई कमजोर होगी और आरक्षण, शिक्षा, रोजगार, छात्रवृत्ति, कौशल विकास तथा सरकारी योजनाओं में न्यायसंगत हिस्सेदारी तय करना मुश्किल होगा।

उन्होंने सवाल उठाया कि जब देश और विभिन्न राज्यों के पास जातियों की प्रमाणित सूचियां उपलब्ध हैं, तो जातिगत जनगणना में ड्रॉपडाउन सूची क्यों नहीं शामिल की जा रही है? उन्होंने कहा कि सार्वजनिक रूप से सामने आई जानकारी के अनुसार 1 जून की बैठक में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के पास उपलब्ध ओबीसी जातियों की सूची साझा करने की बात सामने आई थी। फिर इस सूची को प्रक्रिया में शामिल क्यों नहीं किया गया? आखिर किसके निर्देश पर पिछड़े वर्गों की प्रमाणित सूची को जातिगत जनगणना से बाहर रखा गया?

उन्होंने कहा कि कांग्रेस वर्ष 2021 से जातिगत जनगणना की मांग करती रही है और राहुल गांधी वर्ष 2023 से लगातार इस मुद्दे को मजबूती से उठा रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर मौजूदा प्रक्रिया पर गंभीर आपत्तियां दर्ज कराई हैं।

उन्होंने कहा कि लंबे जनदबाव के बाद सरकार को जातिगत जनगणना कराने की घोषणा करनी पड़ी, लेकिन अब उसकी प्रक्रिया को ही कमजोर किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि अभी भी सरकार के पास प्रारूप में जरूरी सुधार करने का समय है। कांग्रेस स्पष्ट करना चाहती है कि पिछड़ों, दलितों और शोषितों के अधिकारों की लड़ाई से कांग्रेस पीछे नहीं हटेगी। सरकार को हर हाल में पारदर्शी, वैज्ञानिक और प्रमाणित जातिगत जनगणना करानी होगी।

प्रेस वार्ता में साधना भारती ने कानपुर की बदहाल सड़कों और नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर भी भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कानपुर की टूटी सड़कें और गड्ढे विकास के दावों की पोल खोल रहे हैं। नगर निगम में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक संवेदनहीनता के कारण जनता परेशान है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की डबल इंजन सरकार भ्रष्टाचार के मामले में सबसे आगे है और जनता को विकास के नाम पर सिर्फ खोखले दावे दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता के मुद्दों पर सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करती रहेगी।

प्रेस वार्ता में कानपुर महानगर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता, प्रतिभा अटल पाल, शंकर दत्त मिश्रा, पदम मिश्रा, राकेश साहू, डॉ संतोष त्रिपाठी, शीलू श्रीवास्तव, अमिताभ दत्त मिश्रा ,विनोद अवस्थी, रामनवल कुशवाहा, शिव शंकरसोशल मीडिया ,मणि तिवारी, रामदेव पाल , राजेश भारतीसहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

तहसील दिवस पर जिलाधिकारी एवं पुलिस उपायुक्त पूर्वी ने सुनी लोगों की जन समस्याएँ

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। तहसील दिवस के अवसर पर श्रीमान जिलाधिकारी कानपुर नगर जितेंद्र प्रताप सिंह व पुलिस उपायुक्त पूर्वी सत्यजीत गुप्ता द्वारा मर्चेंट चेंबर हाल अन्तर्गत जन-सुनवाई की।जन-सुनवाई के दौरान आमजन की समस्याओं को सुना और उनके समाधान हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिएजन शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर सुना गया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे इन समस्याओं को समयबद्ध तरीके से हल करें।

शिकायतों के निस्तारण में देरी न हो, इसके लिए संबंधित पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया कि वे त्वरित कार्रवाई करें और शिकायतकर्ता को समाधान की जानकारी दें।आगंतुकों और पीड़ितों से सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए और बैठने के लिए उचित व्यवस्था की जाए। सभी फरियादियों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक और धैर्यपूर्वक सुना जाए व शीघ्र निस्तारण किया जाए ।स्थानीय स्तर पर बार-बार आने वाली समस्याओं को प्राथमिकता से निपटाने को कहा गया।

कानपुर जेल में बंदियों ने रखा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर व्रत

» व्रत रखने वाले 285 बंदियों में महिलाये भी शामिल

» जेल प्रशासन द्वारा सभी व्रत रखने वाले बंदियों के लिए की गयी फलाहार की व्यवस्था

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जेल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर जेल में सजा काट रहे 285 बंदियों ने भी व्रत रखा। व्रत रखने वाले बंदियों में 22 महिलायें भी है। जेल प्रशासन द्वारा व्रत रखने वाले बंदियों के लिए फलाहार की व्यवस्था की गयी।कानपुर जेल में बंदियों द्वारा रखे गए व्रत को देखते हुए जेल प्रशासन में पूरी व्यवस्था की है। बंदियों के लिए फलाहार की व्यवस्था की गयी है। जेल परिसर में बने हुए मंदिर को सुंदर और सुव्यवस्थित तरीके से सजाया गया। मंदिर में रंग बिरगीं लाइट लगाई गयी तथा भगवान श्री कृष्ण की झांकियों को भी सजाया गया। रात्रि में 12 बजे श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जायेगा, जिसके बाद बंदियों को प्रसाद तथा पकवान का वितरण किया जायेगा।

पूरे कार्यक्रम के सम्बनध में जेल अधीक्षक राजेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि कृष्ण जन्मोत्सव पर जेल प्रशासन द्वारा विशेष तैयारी की गयी है। जेल परिसर के अन्दर तथा बाहर मौजूद मंदिर को सुन्दरता पूर्वक सजाया गया है वहीं भजन का भी आयोजन किया जा रहा है, जिससे बंदी भगवान कृष्ण के प्रति लीन हो सके। उन्होने बताया कि बंदियों के लिए फलाहार की व्यवस्था के साथ ही अन्य पकवान भी बनाये जा रहे है, जिसमें साबूदाने की खीर, गरी की बर्फी दी जायेगी।

आउटसोर्स कार्मिकों के हितों की सुरक्षा के लिए नई व्यवस्था

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। प्रदेश के विभिन्न प्रशासकीय विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कार्मिकों का न्यूनतम पारिश्रमिक सुनिश्चित करने और उनके हितों की सुरक्षा के लिए बुधवार को नई व्यवस्था की शुरुआत हुई। लखनऊ स्थित लोक भवन के प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के आधिकारिक लोगो, पोर्टल एवं वेबसाइट का अनावरण किया। कानपुर में संजय वन, किदवई नगर स्थित वन विभाग ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में इसका सजीव प्रसारण किया गया।मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार और कर्मचारियों का रिश्ता केवल वेतन का नहीं, बल्कि विश्वास और गरिमा का भी है। नई व्यवस्था के तहत आउटसोर्स कार्मिकों का न्यूनतम पारिश्रमिक सुनिश्चित करने के साथ वेतन से अवैध कटौती पर रोक, चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और 'पिक एंड चूज' व्यवस्था समाप्त करने पर जोर दिया गया है। इसके साथ ही कार्मिकों को बीमा, स्वास्थ्य और भविष्य निधि से जुड़ी सामाजिक सुरक्षा का लाभ सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई है।कानपुर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक कल्याणपुर नीलिमा कटियार, विधायक किदवई नगर महेश त्रिवेदी, विधायक गोविंद नगर सुरेंद्र मैथानी, भाजपा जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह, नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय तथा मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन सहित अधिकारियों, कर्मचारियों और आउटसोर्स कार्मिकों ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों द्वारा उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अंतर्गत संचालित योजनाओं के लाभार्थियों को सहायता राशि के चेक वितरित किए गए। निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना के अंतर्गत चमेली और संगीता गौतम को पांच-पांच लाख रुपये तथा कल्पना को दो लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई। कन्या विवाह सहायता योजना के अंतर्गत राम शंकर विश्वकर्मा को 65 हजार रुपये तथा मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना के अंतर्गत अजय वर्मा को 31 हजार रुपये की सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया।

इसके अतिरिक्त अपर श्रमायुक्त, कानपुर द्वारा 70 अन्य लाभार्थियों को लगभग 1 करोड़ 34 लाख 30 हजार रुपये की सहायता राशि के स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर नगर निगम के कुछ कर्मचारियों को बढ़े हुए पारिश्रमिक के चेक भी प्रदान किए गए।

मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में श्रम विभाग के समस्त श्रम प्रवर्तन अधिकारी, विभाग में कार्यरत आउटसोर्स कार्मिक तथा नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आपसी दबदबे के बीच हुए विवाद में युवक को मारी गोली, मौत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। चुनावी रंजिश और कटरी की भूमि के कब्जे के विवाद और अपासी दबदबे को लेकर कई बार हुए विवाद के बाद आखिर एक व्यक्ति की जान चली गयी। एक युवक को उसके ही घर के दरवाजे पर गोली मारी गयी, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। गोली उसकी हडडी में जा फंसी। डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार चैबेपुर क्षेत्र के वाजिदपुर गांव के कटीता पुरवा के रहने वाले गिरजाशंकर को उनके ही घर के दरवाजे पर गोली मार दी गयी। घायल अवस्था में गिरजाशंकर को अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोशित कर दिया। इसके बाद पुलिस द्वारा कराये गये पोस्टमार्टम के दौरान मृतक की रीढ की हडडी में फंसी गोली निकाली गयी। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक गिरजाशंकर के परिवार के साथ ग्राम प्रधान व उनके साथियों से कई बाद कटरी की जमीन को कब्जाने को लेकर विवाद हो चुका है।

घटना के पहले गिरजाशंकर के बडे भाई को चाकू मारी गयी थी, जिसकी शिकायत थाने में गिरजाशंकर ने की थी और रात लगभग दस बजे गिरजाशंकर को भी उसके चैखट पर गोली मार दी गयी। मृतक के पिता शिवकुमार निषाद द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर रामकुमार निषाद, उनके पुत्र कुलदीप, सुरेन्द्र तथा ग्राम प्रधान के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबदी ने बताया कि तालाब में मछ्ली पकडने का विवाद सामने आया है, जिसके बाद युवक को गोली मारी गयी है। तानाव को देखते हुए गांव में पुलिसबल की तैनाती कर दी गयी है तथा आगे की कार्यवाई की जा रही है।

टूटी सड़के, जल भराव के बीच जाम से जूझते रहे शहरवासी

कानपुर। बीते कई दिनों से हो रही लगातार बारिश ने जहां सामान्य जीवन अस्त व्यस्त कर दिया है तो अब टूटी सडके, जल भराव, सडकों पर बडे-बडे गड्ढे और जाम की समस्या से प्रतिदिन शहरवासियों को जूझना पड रहा है। विभागीय अधिकारियों की सारी कवायद फेल हो चुकी है। दावें तो बहुत किए जाते है लेकिन अभी तक उन दावों का धरातर पर कोई असर दिखाई नही पड रहा है। आलम यह कि पूरे शहर की सडके क्षतिग्रस्त है। सडकों पर बडे-बडे गडढे हो गये है तो किनारों में जमा कीचड हादसे को दावत दे रहा है।

जन्माष्टमी के दिन भी पूरा शहर जाम से जूझता दिखाई दिया, लाल बंगला बजार, परेड, नई सडक, गोविन्द नगर, सीसामऊ, शिवाला, मेस्टन रोड आदि क्षेत्रों में जहां भीषण जाम लगा रहा तो वही यातायात पुलिसकर्मी कहीं भी नही दिखाई दिये। कारण यह कि सडक पर गडढे होने के कारण वाहनो की गति धीमी रहती है और सभी लोग गडढो से बचने का प्रयास करते है ऐसे में वाहनो की कतार लग जाती है। रावतपुर रेलवे क्रासिंग पर काफी जाम लगा रहा। किदवईनगर-बाईपास रोड, श्यामनगर, रामादेवी से घण्टाघर जीटी रोड पर गडढो के कारण सारा दिन जाम की स्थित बनी रही। मुख्य चैराहो पर यातायाकर्मी और होमगार्ड आराम करते रहे और जनता जूझती रही।

बारिश के कारण दर्दनाक हादसा भरभरा कर गिरा कच्चा मकान

हादसे में गिरने से पिता और 3 बेटियों की हुई मौत, एक गंभीर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर के साढ़ थाना क्षेत्र स्थित हिरनी गांव में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें बारिश से कमजोर हुआ एक कच्चा मकान अचानक भरभराकर ढह गया, जिससे घर में मौजूद पिता और उनकी चार बेटियां मलबे में दब गईं। इस हादसे में पिता समेत तीन बेटियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक बेटी गंभीर रूप से घायल है।हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। लगभग 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद मलबे में दबे सभी 5 लोगों को बाहर निकाला गया और पतारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मुकेश (45) और उनकी तीन बेटियों–माया (16), नीतू (12) व पल्लवी (7) को मृत घोषित कर दिया। वहीं सबसे बड़ी बेटी काजल (19) उर्फ लक्ष्मी की हालत गंभीर होने पर उसे कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

परिजनों के अनुसार, काजल की शादी दिसंबर में एक सामूहिक सम्मेलन के जरिए तय हुई थी।मृतक के चचेहरे भाई व परिजनों का कहना है कि हादसा होने के बाद साढ़ पुलिस को बार-बार फोन किया गया, लेकिन शुरुआत में फोन रिसीव नहीं हुआ।

पुलिस के समय पर न पहुंचने के कारण ग्रामीणों को खुद ही रेस्क्यू चलाना पड़ा। यह बी बताया कि पतारा सीएचसी पहुंचने पर वहां डॉक्टर मौजूद नहीं थे, जिससे समय पर इलाज नहीं मिल सका। अगर समय पर इलाज मिलता तो शायद जान बचाई जा सकती थी। पीड़ित परिवार ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और लापरवाह जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

कानपुर प्रेस क्लब में मनाई गयी जयंती, किए गए पुष्प अर्पित

» विद्यार्थी जी की परंपरा के पत्रकार थे विष्णु त्रिपाठी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। वरिष्ठ पत्रकार विष्णु त्रिपाठी पत्रकार शिरोमणि गणेश शंकर विद्यार्थी की परंपरा के पत्रकार थे, जिनकी पत्रकारिता आजीवन लोक कल्याण के लिए ही रह। कानपुर प्रेस क्लब में लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार विष्णु त्रिपाठी की जयंती का आयोजन किया गया। जयंती का आयोजन कानपुर प्रेस क्लब और प्रताप वैश्विक संस्थान द्वारा किया गया, जयंती सभा में पत्रकारों, साहित्यकारों और अधिवक्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके कृतित्व को याद किया।

सभा की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार रमेश वर्मा ने की। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि विष्णु त्रिपाठी ने पत्रकारिता के साथ-साथ साहित्य के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाई थी। उनका जाना पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। जयंती सभा में डॉ. शिव कुमार दीक्षित, रामकिशोर वाजपेयी, रवींद्र पाटनी पूर्व महापौर, शांतनु त्रिपाठी, अजीत शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार पीयूष त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार अंजनी निगम, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गौरव सारस्वत, वरिष्ठ मंत्री मोहित दुबे, मंत्री शिवराज साहू, शिवानंद चतुर्वेदी, दिलदार अहमद, कुशाग्र पांडेय, अमित चौहान, सर्वेंद्र सिंह, अमित चौहान, सुरेश सविता, सतीश तिवारी, दीप कुमार, सचिन शर्मा, गजेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में पत्रकार, अधिवक्ता और साहित्य प्रेमी मौजूद रहे।

धारदार हथियार से गला रेतकर दवा कारोबारी की हुई हत्या

» सीसीटीवी फुटेज में दिखे दो संदिग्ध पुलिस ने लिया हिरासत में

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर, शहर कल्याणपुर क्षेत्र स्थित रतन आर्बिट अपार्टमेंट में एक सनसनीखेज वारदात में शहर के बड़े दवा कारोबारी 63 वर्षीय विनीत विनोचा की उनके ही फ्लैट में धारदार हथियार से गला रेतकर और चाकू से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। घटना रात करीब 10÷30 बजे से तड़के 3÷00 बजे के बीच की बताई जा रही है। वारदात के वक्त विनीत विनोचा घर पर अकेले थे।

घटना की सूचना पाकर पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके से सबूत जुटाए हैं तथा डीआरवी को अपने कब्जे में ले लिया है। इसके साथ ही पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर रात में दो संदिग्ध घर के अंदर जाते दिखे हैं, जिन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया विनीत ने कुछ ही दिन पहले अपने एक नौकर को काम से निकाला था, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

एसीपी दिलीप सिंह ने बताया घटना के समय मृतक की पत्नी पुनीता एक सप्ताह से गाजियाबाद गई हुई थीं, जबकि उनका बेटा सुब्रत, बहू शालू और 6 साल का पोता श्रीजय एक पार्टी में गए हुए थे। कहा कि यह मामला लूटपाट का नहीं बल्कि रंजिश का है, क्योंकि कमरे के बाकी सामान के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की गई है। आशंका है कि कारोबारी ने किसी परिचित के लिए खुद दरवाजा खोला था, जिसके बाद उन पर अचानक हमला किया गया।

परिजनों ने बताया तड़के 3 बजे जब परिजन घर लौटे, तो मुख्य दरवाजा खुला था और अंदर कमरे में फर्श व बेड पर विनीत का खून से लथपथ शव पड़ा मिला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। कानपुर दवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजेंद्र सैनी ने इस नृशंस हत्याकांड की कड़े शब्दों में निंदा की है। घटना के बाद से शहर के दवा व्यापारियों में सुरक्षा को लेकर भारी रोष है। पुलिस ने मृतक के बेटे की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और जल्द खुलासे का दावा किया है।

हरनी गांव में मकान गिरने से हुई दुखद घटना के दृष्टिगत डीएम ने घटनास्थल का किया भ्रमण

» शोकाकुल परिजनों से भेंट कर उन्हें दी सांत्वना

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने घाटमपुर तहसील क्षेत्र के हरनी गांव में मकान गिरने से हुई अत्यंत दुखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण घटना के दृष्टिगत घटनास्थल का भ्रमण किया। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से भेंट कर उन्हें सांत्वना दी।जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दुखद घटना पर शोक व्यक्त करते हुए शोक-संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। इस हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों–मुकेश कुमार पुत्र दारा सिंह (45 वर्ष) तथा उनकी तीन पुत्रियों माया (17 वर्ष), नीतू (सात वर्ष) और पल्लवी (पांच वर्ष) की असामयिक मृत्यु हुई है। वहीं, उनकी पुत्री काजल (लगभग 20 वर्ष) घायल हैं और कानपुर नगर स्थित एक निजी हॉस्पिटल में चिकित्सारत हैं।जिलाधिकारी ने हॉस्पिटल पहुंचकर काजल के स्वास्थ्य की जानकारी ली। चिकित्सकों के अनुसार उनकी स्थिति स्थिर है। जिलाधिकारी ने परिजनों को उनके समुचित उपचार एवं हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।जिलाधिकारी ने बताया कि मृतकों के परिजन को कुल 16 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त आवास निर्माण के लिए भी नियमानुसार सहायता राशि प्रदान की जाएगी। परिजनों एवं ग्रामीणों से प्राप्त फीडबैक का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतारा के समस्त स्टाफ को बदलने के निर्देश दिए हैं।

परिजनों एवं ग्रामीणों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध न होने तथा घायलों के उपचार में विलंब होने संबंधी शिकायत जिलाधिकारी के संज्ञान में लाई गई। जिलाधिकारी ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए उप जिलाधिकारी घाटमपुर की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की है, जिसमें डिप्टी सीएमओ एवं एसीपी घाटमपुर को सदस्य बनाया गया है।जांच समिति सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में घायलों के उपचार के लिए उपलब्ध चिकित्सकीय व्यवस्थाओं, घटना के समय ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों एवं अन्य कार्मिकों की उपस्थिति तथा उपचार में किसी स्तर पर लापरवाही बरते जाने के आरोपों की जांच करेगी। जांच में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।साथ ही जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की है कि वर्षा के बाद धूप निकलने का समय जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवनों के लिए अत्यंत संवेदनशील होता है। ऐसे भवनों में निवास न करें और पूरी सतर्कता बरतें। किसी भवन के असुरक्षित होने की आशंका पर तत्काल स्थानीय प्रशासन को सूचित करें तथा मौसम सामान्य होने तक सुरक्षित स्थान पर रहें।

करोना से ज्यादा भयभीत करने वाली बीमारी का कानपुर में आगमन हुआ क्या?

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर सीएमओ ने अपनी वार्ता में स्वीकार किया की कानपुर में करोना से ज्यादा भयभीत बीमारी का कानपुर में आगमन हो चुका है तथा कानपुर के समस्त नर्सिंग होमो को सचेत किया की अगर यह गंभीर बीमारी का मरीज आपके नर्सिंग होम में आता है तो तुरंत सरकार को सूचित करें।कानपुर सीएमओ ने उस नर्सिंग होम जिसने इस गंभीर बीमारी के मरीज के बारे में अपने यहां बिना शासन को सूचित किए हुए इलाज किया और मरीज मर गया। कानपुर सीएमओ ने अति शीघ्रता से उस पर कार्रवाई के लिए आदेश भी पारित किया।कानपुर सीएमओ ने कानपुर की जनता को अपने माध्यम से संदेश भी दिया कृपया इस बीमारी का सही से इलाज करवायें, यह कोई गंभीर बीमारी नहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार तथा केंद्र सरकार इस बीमारी के लिए त्वरित रूप से भारत के समस्त नागरिकों के लिए इलाज उपलब्ध कराया हुआ है।

पार्क की बदहाली पर फूटा जनता का गुस्सा, सैकड़ों क्षेत्रवासियों ने दिया धरना

कानपुर। दर्शन पुरवा स्थित सेंटर पार्क (पूर्व जिमखाना ग्राउंड) की शोचनीय स्थिति और प्रशासनिक उपेक्षा के खिलाफ स्थानीय नागरिकों का गुस्सा फूट पड़ा। पार्क की बदहाली से नाराज सैकड़ों क्षेत्रवासियों, बच्चों, बुजुर्गों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पार्क परिसर में ही शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया।÷पार्क बना सीवर और टूटी दीवारों का अड्डा धरने का नेतृत्व कर रहे वकील योगेन्द्र अग्निहोत्री (पूर्व प्रत्याशी, 212 गोविंद नगर) ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, ÷हमारा पार्क आज सीवर के पानी और टूटी दीवारों का अड्डा बन चुका है। बच्चे नहीं खेल पा रहे, बुजुर्ग नहीं टहल पा रहे। बार-बार शिकायत के बाद भी जनप्रतिनिधि और प्रशासन चुप हैं। जनता अब चुप नहीं बैठेगी।आंदोलन में शामिल दर्शन पुरवा सेंटर पार्क बचाओ समिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान ने स्पष्ट किया कि यह संघर्ष पूरी तरह शांतिपूर्ण है और मांगें बेहद जायज हैं। उनका कहना था कि पार्क को दोबारा उस काबिल बनाया जाए जहां बच्चे खेल सकें और लोग सुकून से टहल सकें।

प्रमुख मांगें-पार्क की दीवारों और परिसर की तुरंत मरम्मत कराई जाए।

सीवर व्यवस्था दुरुस्त कर जलजमाव की समस्या हमेशा के लिए खत्म की जाए।

बच्चों के खेलने और बुजुर्गों के टहलने के लिए जरूरी इंतजाम किए जाएं।

संबंधित विभाग समयसीमा तय कर कार्ययोजना सार्वजनिक करे।

प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन को 15 दिन का समय देते हुए चेतावनी दी है कि यदि इस अवधि में ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। कार्यक्रम में अवनीश सलूजा, रवि मिश्रा, अजय त्रिपाठी, नीरज त्रिपाठी, राजकुमार मिश्रा, प्रकाश जायसवाल, राम प्रकाश शर्मा, वरुण जायसवाल, दिनेश सिंह, रोहित बाजपेई, राजेश सविता, बब्बे भाई, राम प्रकाश गुप्ता, संजय श्रीवास्तव, आशु खान सहित सैकड़ों क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी पार्क पर कब्जे का मामला गर्म

» डीएम ने नगर निगम को भेजा पत्र, कार्रवाई और अनुपालन आख्या तलब

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। रेलवे की कैंटीनों और दुकानों में सप्लाई होने वाले समोसों की निर्माण इकाइयों में खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में गंभीर खामियां सामने आई हैं। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर गुरुवार को रेल बाजार की तीन समोसा निर्माण इकाइयों पर छापा मारा गया। एक इकाई में डेढ़ क्विंटल सड़ा आलू मिला, जबकि तीनों इकाइयों से कुल 3200 बिना तले समोसे और 25 किलो आलू मसाला भी नष्ट कराया गया। एक इकाई को सील करने के साथ ही 48 बोरियों में रखा 2384 किलो मैदा सीज किया गया।

सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वद्व संजय प्रताप सिंह ने बताया कि क्षेत्रीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी से मिली सूचना के आधार पर मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेंद्र कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत रेल बाजार स्थित समोसा निर्माण इकाइयों की जांच की।टीम ने निर्मल कुमार मिश्र की समोसा निर्माण इकाई में छापा मारा तो परिसर में डेढ़ क्विंटल सड़ा आलू और 400 बिना तले समोसे मिले। इन्हें मौके पर ही नष्ट कराया गया। यहां से मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर और तैयार समोसे के कुल तीन नमूने भी जांच के लिए लिए गए।इसके बाद बन्टू यादव की समोसा निर्माण इकाई की जांच की गई। यहां नौकर और मजदूर खाद्य पदार्थ तैयार करते मिले। परिसर में 800 बिना तले समोसे और पांच किलो आलू मसाला अस्वच्छ परिस्थितियों में रखा पाया गया। टीम ने इसे नष्ट करा दिया। संचालक बन्टू यादव को बार-बार बुलाने के बावजूद वह मौके पर नहीं पहुंचे और खाद्य लाइसेंस भी प्रस्तुत नहीं किया गया। इस पर टीम ने निर्माण इकाई को सील कर दिया।

रेल बाजार के हाता नंबर-दो स्थित मोहम्मद शोएब की समोसा निर्माण इकाई में टीम को 2000 बिना तले समोसे और 20 किलो तैयार आलू मसाला अस्वच्छ परिस्थितियों में रखा मिला। इसे भी मौके पर नष्ट कराया गया। यहां से मैदा, रिफाइंड पामोलिन ऑयल और समोसा मसाला आलू के तीन नमूने लिए गए। इसके अलावा परिसर में 48 बोरियों में भंडारित 2384 किलो मैदा सीज किया गया।

संजय प्रताप सिंह ने बताया कि तीनों इकाइयों में तैयार होने वाले समोसे रेलवे की कैंटीनों और दुकानों में सप्लाई किए जाते हैं। कार्रवाई के दौरान खाद्य पदार्थों के कुल छह नमूने लिए गए हैं। नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

चुनावी दस्तक से सक्रिय हो उठी कानपुर की राजनीति

कानपुर। विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही कानपुर नगर में चुनावी हलचल तेज हो गयी है। ऐसे स्थान जहां पार्टी के नेताओं का उठना-बैठना है वहां नेता और पदाधिकारियों के साथ कार्यकर्ताओं का जमावडा लगने लगा है। सभी दलों ने अपने अपने वोटरो को मजबूत करने की भी कवायद को शुरू करते हुए रणनीति तैयार करने में लगे है। आला कमान के निर्देषो के अनुसार नेता काम कर रहे है। वोटरो को अपनी ओर खीचने के लिए हर संभव कोशशि की जा रही है।विधानसभा चुनाव 2027 की सुगबुगाहट के बीच नगर की राजनीति में गरमा-गर्मी बढ रही है। मेस्टन रोड, कचहरी आदि स्थानों पर नेता व पार्टी अधिकारी विचार-विमर्श करते दिखाई देने लगे है। इसी के साथ निर्वाचन आयोजन ने भी चुनावी तैयारियों को शुरू कर दिया है और कानपुर जिले में चुनावी व्यवस्था को परखते हुए उसे चरणबद्ध तरीके से व्यवस्थित करने का कार्य किया जा रहा है।

बीपीएस न्यूज (साप्ताहिक समाचार पत्र)

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्टा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।